दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

रोजगार

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 110 | ग्वालियर मंगलवार, 31 जनवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

पाकिस्तान के पेशावर में नमाज़ के दौरान मस्जिद में आत्मघाती हमला, 28 की मौत, 150 से ज्यादा घायल

पाकिस्तान एक बार फिर बम धमाके से कांप उठा. पेशावर के एक मस्जिद में सोमवार (30 जनवरी) दोपहर को जोरदार बम धमाका हुआ. ये धमाका पेशावर के पुलिस लाइंस इलाके में स्थित मस्जिद में जोहर की नमाज के दौरान हुआ. मस्जिद में विस्फोट से कई लोगों की जान चली गई. जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक धमाके में 28 लोगों की मौत हुई है, जबकि 150 से अधिक लोग जख्मी हुए हैं. मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है. जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस विस्फोट में 28 लोगों की जान चली गई है. इसमें कई पुलिसकर्मी की भी मौत हुई है. घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. अभी कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है. धमाके के बाद इलाके में आपात स्थिति लागू कर दी गई है. फिलहाल पाकिस्तान आर्मी ने इलाके की घेराबंदी की है.

आत्मघाती हमलावर ने किया धमाका-इलाके की पूरी तरह से घेराबंदी के बाद सिर्फ एंबुलेंस को ही आने दिया जा रहा है. सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक आत्मघाती हमलावर मस्जिद में नमाज़ के दौरान सबसे आगे की लाइन में मौजूद था और फिर खुद को उड़ा लिया. बताया जा रहा है कि जहां पर धमाका हुआ है, उसके करीब ही आर्मी यूनिट का एक दफ्तर भी है.

महाराष्ट्र में सीएम योगी बोले- अवैध धर्मांतरण वालों की मंशा कभी सफल नहीं होगी, जाग चुका है देश

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को महाराष्ट्र के जलगांव में आयोजित अखिल भारतीय हिंदू गोर, बंजारा और लबाना समुदाय के कुंभ कार्यक्रम में शामिल हुए. 25 जनवरी से शुरू हुए कुंभ कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को सनातन धर्म पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जो लोग अवैध धर्मांतरण के माध्यम से राष्ट्रान्तरण की कुत्सित मंशा के साथ भारत के अंदर कार्य करना चाहते हैं, उनकी मंशा कभी सफल नहीं होने वाली. मुख्यमंत्री ने कहा कि जो सभी प्रकार की कामनाओं और सिद्धियों की पूर्ति कर दे, वही कुंभ का भाव है. बंजारा कुंभ ने ये साबित कर दिया है कि वो भारत माता की रक्षा करने, उसके पूज्य संतों, ऋषियों, महापुरुषों और क्रांतिवीरों के संकल्प को अब धर्मजागरण के माध्यम से सिद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचाने का कार्य करेगा. हम सभी को सनातन धर्म पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए. हम सौभाग्यशाली हैं कि हमने विश्व को मानवता की राह दिखाने वाले भारत में जन्म लिया है. इसके अलावा दुनिया का सबसे प्राचीन धर्म जो दुनिया में मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है, उसमें जन्म लेने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त हुआ है. उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे प्राचीन धर्म, दुनिया में मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है. सनातन धर्म के साथ छेड़छाड़ करने का मतलब मानवता के साथ खिलवाड़ करना है. योगी ने देश में हो रहे अवैध धर्मांतरण को निशाने पर लेते हुए कहा कि जो लोग अवैध धर्मांतरण के माध्यम से राष्ट्रान्तरण की कुत्सित मंशा के साथ भारत के अंदर कार्य करना चाहते हैं, उनकी मंशा कभी सफल नहीं होने वाली. अब जागृत समाज उठ खड़ा हुआ है. उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में भारत को दुनिया के टॉप 20 बड़े देशों का नेतृत्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है. प्रधानमंत्री ने हर भारतवासी को पंच प्रण की याद दिलाते हुए कहा था कि देश के अंदर से गुलामी के अंश को सदैव के लिए समाप्त करना होगा.

आप ने गुजरात में आदिवासी नेता को क्यों चुना विधायक दल का नेता, पांच पॉइंट्स में समझें रणनीति

नई दिल्ली। मिशन गुजरात में आम आदमी पार्टी को भले ही कोई बड़ी कामयाबी नहीं हासिल हुई हो, लेकिन राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का हौसला बुलंद है. उन्होंने गुजरात में अभी से भविष्य की तैयारी शुरू कर दी है. इसके लिए उन्होंने बड़ा दांव चला है. शनिवार (29 जनवरी) को आदिवासी विधायक चैतर वसावा को गुजरात विधायक दल का नेता नियुक्त किया और हेमंत खावा को उप नेता की जिम्मेदारी दी गई. 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में आप के पास सिर्फ 5 विधायक हैं जबकि बीजेपी के पास 156 और कांग्रेस के पास 17 विधायक हैं. गुजरात में पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में आदिवासी सीट डेडियापाड़ा से क्र नेता चैतर वसावा ने करीब 40 हजार वोटों से जीत हासिल की थी. उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी हितेश वासवा को हराया था. चैतर के इस प्रदर्शन से केजरीवाल काफी खुश हैं. आप पार्टी ने हाल ही में प्रदेश में लीडरशिप में जिस तरह से बड़े बदलाव किए हैं. उससे साफ है कि केजरीवाल ने अब टीम को नया टारगेट सौंप दिया. पार्टी ने गुजरात में युवा ब्रिगेड को विकसित करने की नींव रख दी है. वसावा ने कहा, 24 फरवरी से शुरू होने वाले गुजरात विधानसभा के अपने पहले बजट सत्र में वह आदिवासियों से जुड़े खासतौर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसे मुद्दों को उठाएंगे. चैतर वसावा बड़े आदिवासी नेता हैं. पार्टी ने चैतर वसावा की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें दक्षिण गुजरात जोन का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है. पार्टी अब उन्हें पोस्टर ब्वॉय बनाने की रणनीति पर काम कर रही है. इस साल के अंत तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे अहम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं. इन प्रदेशों में आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती है. इन राज्यों में अपनी किस्मत आजमाने वाली है.

बेखौफ घूम रहे हैं...धन्यवाद तो दूर..., राहुल गांधी की यात्रा खत्म होने पर अनुराग ठाकुर ने पूछे कई सवाल

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का सोमवार (30 जनवरी) को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में समापन हुआ. इस दौरान रैली आयोजित की गई जिसमें कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के नेता शामिल हुए. ये रैली भारी सुरक्षा और बर्फबारी के बीच हुई. समापन रैली में राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा. अब बीजेपी की ओर से भी विपक्षी नेताओं पर पलटवार किया गया है. राहुल गांधी की यात्रा खत्म होने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट कर जोरदार हमला बोला. उन्होंने कहा कि, बर्फ के गोलों से खेलते-पिकनिक मनाते राहुल जी-प्रियंका जी को मोदी जी का धन्यवाद करना चाहिए कि आज उनकी वजह से आप, आपका परिवार,आपकी पार्टी आपके नेता कार्यकर्ता बेखौफ कश्मीर में घूम रहे हैं. लाल चौक पर झंडा फहरा पा रहे हैं. मगर धन्यवाद करना तो दूर आप यहां भी राजनीति कर रहे हैं.

अनुराग ठाकुर ने पूछे कई सवाल-केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, राहुल गांधी जीज1953 में कांग्रेस के शासन काल में भारत जोड़ने की सशक्त आवाज श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की कश्मीर में संदेहजनक मृत्यु हुई. जिम्मेदार कौन? 1992 में कांग्रेस राज में आदरणीय मुरली मनोहर जोशी जी के साथ मोदी जी ने लाल

चौक पर तिरंगा संगीनों के साये में कड़ी सुरक्षा में फहराया. जिम्मेदार कौन। अनुराग ठाकुर ने कहा कि, 2011 में भारतीय जनता युवा मोर्चा की राष्ट्रीय एकता यात्रा जिसमें देश के कोने कोने से लाखों युवा लाल चौक पर झंडा फहराने निकले, उन युवाओं को कांग्रेस सरकार के इशारों पर पीटा गया, जेलों में बेरहमी से ठूंसा गया, जिम्मेदार कौन? 20 जनवरी 2011 को मनमोहन सिंह जी ने कहा अनुराग ठाकुर को लाल चौक जाकर तिरंगा नहीं फहराना चाहिए, क्षेत्र में माहौल खराब हो सकता है. जिम्मेदार कौन? केंद्रीय मंत्री ने पूछा कि, ÷क्लॉक टॉवर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की प्रथा जो 1990 से बीएसएफ या सीआरपीएफ कर्मियों की ओर से साइट पर डेरा डाले हुए थी को 2009 में राजनीतिक महत्व नहीं होने के कारण यूपीए की सरकार ने बंद किया. जिम्मेदार कौन? उन्होंने कहा कि, आज मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से 370 व 35ए खत्म हुआ, जम्मू-कश्मीर विकास के नये पथ पर आगे बढ़ा, सुरक्षा चाक-चौबंद हुई, अमन बहाल हुआ. आज हर भारतवासी बेखौफ होकर पूरे गर्व से लाल चौक पर तिरंगा फहरा सकता है तो बीजेपी राज में ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने, गृहमंत्री अमित शाह ने सम्भव कर दिखाया है.

सुधांशु त्रिवेदी ने भी साधा निशाना-वहीं बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि, आज दक्षिण भारत से शुरू होकर तमाम प्रकार के कारनामों से गुजरती हुई कांग्रेस पार्टी की अप्रासंगिक होती हुई, राहुल गांधी की तथाकथित भारत जोड़ो यात्रा समाप्त हुई. आज महात्मा गांधी की पुण्यतिथि है जो अहिंसा के प्रतीक थे. कश्मीर, जो हिंसा का केंद्र रही, स्वतंत्र भारत में 1988-1998 तक वहां राज्यपाल तक झंडा नहीं फहरा पाते थे. ये यात्रा जो राजनैतिक उद्देश्य से प्रेरित थी मगर राजनैतिक उद्देश्य में नितांत असफल दिखाई पड़ी.

कहीं ट्रक ने बाइक को उड़ाया, तो कहीं कार पेड़ से टकराई, अलग-अलग सड़क हादसे में छह की मौत

महाराष्ट्र में आज का दिन सड़का हादसों की खबर से भरा हुआ है. राज्य में अलग-अलग जिलों में हुए सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई, वहीं 8 अन्य लोग घायल हो गए. ये सड़क हादसे बुलढ़ाणा, सतारा, पुणे में हुए, जिसमें 3 पुरुष और 3 महिलाओं की मौत हो गई. 30 जनवरी की सुबह बुलढाणा में चिखली-साकेगांव मार्ग पर एक कार पेड़ से टकड़ा गई, जिस वजह से एक बड़ा सड़क हादसा हो गया. इसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, मरने वालों का नाम सुनील देवाडे और हर्षद पांडेय है और दोनों चिखली के रहने वाले थे. यह हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगने के बाद पेड़ गिर गया दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची और उसके शव को चिखली के ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया.

पुणे-बैंगलोर एनएच पर सड़क दुर्घटना-वहीं दूसरा सड़क हादसा पुणे-बैंगलोर नेशनल हाइवे पर सुबह 5 बजे के करीब हुआ. यहां पर एक इनोवा के साथ भीषण

हादसा हो गया. इस हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतका की पहचान जना सराफ और शांताबाई जाधव के रूप में हुई. घायलों का शिरवाल के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. बताया गया कि पीड़ित का परिवार पहले गोकर्ण और फिर महाबलेश्वर घूमने के बाद पुणे की ओर जा रहा था. इस सड़क हादसे की वजह बताई गई कि कार ड्राइवर सो गया था जिस वजह से कार का बैलेंस बिगड़ गया. इससे कार खंबाटाकी सुरंग के किनारे टकरा गई और भीषण हादसा हो गया.

सतारा-कोरेगांव मार्ग पर हादसा-तीसरा हादसा सतारा-कोरेगांव मार्ग गन्ना ट्रॉली को ओवरटेक करने के दौरान हुआ. यहां 29 जनवरी की रात सतारा-कोरेगांव मार्ग पर गन्ने की ट्राली को ओवरटेक कर रही मोटरसाइकिल को ट्रक ने उड़ा दिया. इस हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, इस हादसे में मृतक का नाम बजरंग काटकर और मृतका का नाम शोभा कटकर है. वहीं एक और भीषण सड़क हादसा पुणे-सोलापुर हाईवे पर लोनी कलभोर के पास हुआ. यहां एक कार ने लेन छोड़कर डिवाइडर को तोड़कर दूसरे वाहन को टक्कर मार दी. दिल दहला देने वाली यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई, लेकिन 3 लोग इसमें घायल हुए हैं, जिसमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. घायलों को लोनी कलभोर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है.

गलत लाइन पर जा रहे हैं अखिलेश यादव रामचरितमानस विवाद पर केशव देव मौर्य का बयान

रामचरितमानस को लेकर छिड़े विवाद के बीच महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्य का बयान भी सामने आया है. केशव देव मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव गलत लाइन पर जा रहे हैं, मैं खुद रामचरितमानस की कुछ चौपाई के खिलाफ हूं, दुर्भाग्य है आज हिंदू धर्म नकली चल रहा है, सनातन धर्म नकली चल रहा है, कुछ लोग विदेश से आए जिन्होंने कब्जा कर असली हिंदू धर्म को समाप्त कर दिया और जो मूल निवासी थे उन्हें शूद्र बना दिया. केशव देव मौर्य ने कहा कि मैं स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से सहमत नहीं हूं, आप सीधे-सीधे धर्म पर टिप्पणी नहीं करिए, जहां तक उनकी आपत्ति है उसे तर्क से समझाइए. शूद्र ने अगर वेद पढ़ लिए, फिर वो शूद्र रहा कहां वो ब्राह्मण हो गया. नकली हिंदू धर्म का हम विरोध करते है और करते रहेंगे. महान दल की रणनीति है कि बीजेपी को हराना है. किसी भी सूरत में भाजपा सत्ता में नहीं आनी चाहिए. चाहे विधान सभा हो या लोकसभा. ऐसा इसलिए हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी संविधान को नहीं मानती. महानदल के नेता ने कहा कि बीजेपी दलित और पिछड़ों को नहीं मानती है. भारत के संविधान को भी नहीं मानती है. केशव देव मौर्य ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री संविधान को माने बाबा नहीं, बाबा होने से हम उन्हें मुख्यमंत्री नहीं माने, 2024 में जो भाजपा को हराएगा महान दल उसका समर्थन करेगा. दरअसल सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस की कुछ चौपाईयों पर सवाल उठाते हुए उन्हें हटाने की मांग की, जिसके बाद से बवाल मचा हुआ है, बीजेपी समेत तमाम हिन्दू संगठन और साधु संतों ने इस बयान पर आपत्ति जताई और कार्रवाई की मांग की. वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से इस बयान पर सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई लेकिन रविवार को सपा की नई कार्यकारिणी की सूची में मौर्य का प्रमोशन कर दिया गया और उन्हें सपा का राष्ट्रीय महासचिव बना दिया गया है. जिसके बाद माना जा रहा है कि मौर्य को अखिलेश यादव का मौन समर्थन मिल गया है.

ओडिशा के सीएम ने निरंजन पुजारी को सौंपा स्वास्थ्य मंत्रालय

ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास की मौत के बाद मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने स्वास्थ्य विभाग, कैबिनेट मंत्री निरंजन पुजारी को आवंटित कर दिया है. सोमवार (30 जनवरी) को मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल की मंजूरी के बाद मख्यमंत्री ने वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री निरंजन पुजारी से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार लेने को कहा है. ओडिशा के ब्रजराजनगर में रविवार (29 जनवरी) को एक सहायक उप निरीक्षक ने स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास को गोली मार दी थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई. नब किशोर दास के पास मई 2019 से स्वास्थ्य विभाग था. उनके निधन से प्रदेश के मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या कम होकर अब 21 रह गई है. ब्रजराजनगर में गांधी चौक पर रविवार को जब नब दास अपनी कार से बाहर निकले तो एक पुलिस वाले ने कम से कम चार से पांच गोलियां चलाईं. उस समय मंत्री एक बैठक में शामिल होने जा रहे थे.

महिला अनुयायी से रेप के मामले में आसाराम बापू को कोर्ट ने दोषी ठहराया

गुजरात के गांधीनगर की कोर्ट ने महिला अनुयायी से रेप के मामले में सोमवार (30 जनवरी) को आसाराम बापू को दोषी करार दिया है. 2013 में सूरत की दो बहनों से रेप के मामले में गांधीनगर सेशन कोर्ट ने आसाराम को दोषी ठहराया है. आसाराम का बेटा नारायण साई भी इस मामले में आरोपी था. मामले में आसाराम की पत्नी लक्ष्मी, बेटी भारती और चार महिला अनुयायियों- ध्रुवबेन, निर्मला, जस्सी और मीरा को भी आरोपी बनाया गया था. इन सभी को गांधीनगर कोर्ट ने बरी कर दिया था. आसाराम इस समय जोधपुर जेल में बंद है. आसाराम को कल सजा सुनाई जाएगी. 2013 में सूरत की दो बहनों ने नारायण साई और उसके पिता आसाराम के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई थी. छोटी बहन ने शिकायत में कहा था कि नारायण साई ने 2002 से 2005 के बीच उसके साथ बार-बार रेप किया.

दो बहनों ने लगाए थे रेप के आरोप-लड़की के मुताबिक, जब वह सूरत में आसाराम के आश्रम में रह रही थी, तब उसके साथ रेप हुआ था. वहीं बड़ी बहन ने शिकायत में आसाराम पर रेप का आरोप लगाया था. पीड़ित ने कहा कि अहमदाबाद में आश्रम में आसाराम ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया. दोनों बहनों ने पिता-पुत्र के खिलाफ अलग-अलग तहरीर दी है.

जोधपुर की एक जेल में बंद है आसाराम-आसाराम बापू इस समय जोधपुर की एक जेल में बंद है. 2018 में, जोधपुर की एक कोर्ट ने उन्हें एक अलग यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. उन्हें 2013 में अपने जोधपुर आश्रम में एक 16 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाया गया था.

10 साल से जेल में बंद आसाराम बापू-जेल में बंद आसाराम बापू ने हाल ही में कोर्ट से जमानत मांगी थी. जमानत अर्जी में आसाराम ने कहा था कि वह पिछले 10 साल से जेल में है. उनकी उम्र 80 साल से ज्यादा है. वह गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट को उनकी जमानत याचिका पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए और जमानत का आदेश जारी करना चाहिए ताकि उन्हें उचित इलाज मिल सके.

बीजेपी के लिए खतरे की घंटी! 6 साल में बड़ा बदलाव, सर्वे में मोदी सरकार से नाखुश लोगों का आंकड़ा 50 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने सियासी समीकरणों को साधना शुरू कर दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश करेगी. वहीं, कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के सहारे खिसकती सियासी जमीन को फिर से मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. वहीं, टीआरएस नेता केसीआर के नेतृत्व में तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट ने भी बहुतों की बेचैनी बढ़ा दी है. लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी दलों की रणनीतियों, चुनावी दावों और समीकरणों को मापने के लिए हाल ही में सी-वोटर और इंडिया टुडे ने एक सर्वे किया. जिसमें अगर अभी लोकसभा चुनाव होते हैं, तो जनता का क्या मूड हैकी तर्ज पर इसे परखा गया. इस सर्वे में सामने आया कि मोदी सरकार के कामकाज से असंतुष्ट होने वालों का आंकड़ा बीते 6 साल में करीब 50 फीसदी के हिसाब से बढ़ गया है.

सर्वे के अनुसार, मोदी सरकार के कामकाज से असंतुष्ट लोगों का आंकड़ा 18 फीसदी है. वहीं, 2016 में हुए इसी सर्वे में ये आंकड़ा केवल 12 फीसदी था. इस आधार पर कहा जा सकता है कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के कामकाज से असंतुष्ट लोगों का आंकड़ा 6 सालों में 6 फीसदी बढ़ गया है. हालांकि, हर बदलते साल के साथ यह ऊपर-नीचे होता रहा है. कोरोना महामारी के दौरान अगस्त 2020 में हुए इस सर्वे में मोदी सरकार के कामकाज से असंतुष्ट लोगों का आंकड़ा महज 9 फीसदी था. जो अब 18 फीसदी हो गया है. वहीं, बीते साल अगस्त में हुए इस सर्वे में मोदी सरकार के कामकाज के खिलाफ असंतुष्टों का आंकड़ा 32 फीसदी तक पहुंच गया था. जो नए सर्वे में तकरीबन आधे पर पहुंच गया है. इस सर्वे में मोदी सरकार के कामकाज से खुश लोगों का आंकड़ा चौंकाने वाला है. सर्वे के मुताबिक, मोदी सरकार के कामकाज से संतुष्ट लोगों का आंकड़ा 67 फीसदी है. वहीं, इस सर्वे में ये बात भी निकल कर सामने आई है कि 2016 में मोदी सरकार के कामकाज से न संतुष्ट ना ही असंतुष्ट लोगों का आंकड़ा 40 फीसदी था. जो जनवरी 2023 के इस सर्वे में घटकर महज 11 फीसदी रह गए. इस सर्वे में ये भी सामने आया कि पीएम पद विकल्प के तौर पर 52 फीसदी लोग नरेंद्र मोदी के पक्ष में खड़े नजर आते हैं. वहीं, राहुल गांधी के पक्ष में महज 14 फीसदी लोग दिखाई पड़ते हैं.

डॉ. सलोनी सिंह ने किया निशुल्क देवराज चलित अस्पताल का शुभारंभ

विभिन्न क्षेत्रों में शिविरों के माध्यम से मिलेंगी निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पाजलि टुडे

पोहरी = क्षेत्र में अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और सभी को निरोगी बनाना ही मेरा एकमात्र उद्देश्य है, जिसके लिए मैं लगातार प्रयास कर रही हूं । ये उदगार वरिष्ठ भाजपा नेत्री डॉ सलोनी सिंह धाकड़ ने पोहरी विधानसभा के ग्राम श्रीपुरा गिरमानी में बड़े भाई स्व. देवराज सिंह किरार जी की जयंती पर आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन समारोह में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहे ।देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ग्वालियर के सौजन्य से भाजपा नेत्री डॉ सलोनी सिंह धाकड़ ने पोहरी विधानसभा क्षेत्र में निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए देवराज चलित अस्पताल को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस चलित अस्पताल का शुभारंभ से. देवराज सिंह किरार की प्रेरणा से डॉ. सलोनी सिंह अपने पिता प्रतिष्ठित कांट्रेक्टर करन सिंह किरार जी के सानिध्य में एवं जयारोग्य अस्पताल समूह के अधीक्षक डॉ. आर के एस धाकड़ और स्व. देवराज सिंह के सुपुत्र दिव्याराज सिंह किरार के सहयोग से इस चलित अस्पताल का संचालन किया जा रहा है । यह चलित अस्पताल सर्वसुविधा युक्त चलित अस्पताल है जिसमे प्राथमिक उपचार की सारी व्यवस्थाएं हैं जो आमजन के लिए पूरी तरह से निशुल्क सेवाएं देगा । इस चलित अस्पताल के माध्यम निशुल्क चिकित्सा परामर्श, एवं दवाएं प्रदान की जाएगी जो कि प्रतिदिन विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से सेवाएं प्रदान करेंगे ।आपको बता दें कि समजसेविका और वरिष्ठ भाजपा नेत्री डॉ सलोनी सिंह धाकड़ करीब 15 वर्षों से लगातार क्षेत्र में लगातार वृहद मेडिकल कैंप के माध्यम से वनवासियों , पिछड़े इलाकों में पहुंचकर जनसेवा भाव से समाजसेवा कर रहीं हैं। सदैव ही क्षेत्र की जनता के सुख दुख में शामिल रहने वाली डॉ सलोनी सिंह महीनों चलने वाले स्वास्थ्य शिविरों का खर्च निजी तौर पर वहन करेंगी , यही नहीं इस चलित अस्पताल का उद्देश्य प्रत्येक गांव में पहुंचकर लोगों को निरोगी बनाना है। आपको बता दें कि डॉ सलोनी सिंह लंबे समय से न केवल जनसेवा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहीं हैं बल्कि भारतीय जनता पार्टी में एक सक्रिय और वरिष्ठ नेत्री के रूप में कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नेत्री डॉ सलोनी सिंह धाकड़, जयारोग्य अस्पताल समूह के अधीक्षक डॉ आर के एस धाकड़, दिव्यराज सिंह किरार , भाजपा जिला महामंत्री मनीष गुप्ता , नरावर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष तुलसी कुशवाह , डॉ. इमरत कुशवाह , कमल कुशवाह मंत्री भाजपा युवा मोर्चा, बसर अली जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा, अशोक जाटव पूर्व पार्षद ,अंकित शिवहरे मंडल उपाध्यक्ष जानकी सेना संगठन , सलमान पठान स्नेक सेवर, संजय तोमर मंडल महामंत्री बैराड़ , लोकेंद्र तोमर गोवर्धन , जीतू तोमर सरपंच, दीपू तोमर सरपंच ,बृजेश कुशवाह , राजू तोमर ,राहुल शर्मा महामंत्री किसान मोर्चा ,मोहित गुप्ता उपाध्यक्ष युवा मोर्चा , अवनीश भार्गव जिला संयोजक हिंदू जागरण मंच एवं विभिन्न चैनल अखबारों के पत्रकार बंधु वरिष्ठ डॉक्टर्स , नर्स स्टाफ एवं क्षेत्रीय ग्रामीण लोग , भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महिला बाल विकास के 08 पदों पर अनंतिम सूची प्रकाशित

अभ्यर्थी 7 फरवरी तक आपत्ति दर्ज करा सकते हैं

शिवपुरी– महिला एवं बाल विकास परियोजना नरवर जिला शिवपुरी अंतर्गत आंगनबा?ी कार्यकर्ता, मिनी आंनवा?ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के चयन के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में गतदिवस आयोजित चयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार अनंतिम सूची प्रकाशित की गई हैं।महिला बाल विकास अधिकारी रविरमन पाराशर ने बताया कि 08 स्थानों पर चयनित एवं प्रतीक्षारत आवेदकों के नाम की सूची जारी की गई है। उनमें आंगनवा?ी कार्यकर्ता पद हेतु ग्राम पंचायत पीपलखा?ी के केन्द्र खोडबावडी के लिए चयनित आवेदिका श्रीमती राधा आदिवासी, प्रतीक्षारत आवेदिका श्रीमती अंकिता तोमर, ग्राम पंचायत सोन्हर के केन्द्र काशीपुर सोन्हर-02 के लिए चयनित आवेदिका श्रीमती लली जाटव, प्रतीक्षारत अवेदिका मनीषा जाटव, ग्राम पंचायत टोरियाखुर्द के केन्द्र टोरियाखुर्द-01 के लिए चयनित आवेदिका आशा अहिरवार, प्रतीक्षारत आवेदिका श्रीमती आशा जाटव का अनंतिम चयन किया गया है। इसी प्रकार मिनी आंगनवा?ी कार्यकर्ता हेतु ग्राम पंचायत सीहोर के केन्द्र कालाखेत(सीहोर) के लिए चयनित आवेदिका कु.हेमा जाटव, प्रतीक्षारत आवेदिका श्रीमती नैन्सी करौठिया का अनंतिम चयन किया गया है तथा आंगनवा?ी सहायिका हेतु ग्राम पंचायत करही के केन्द्र करही01 के लिए चयनित आवेदिका श्रीमती लक्ष्मी वंशकार, प्रतीक्षारत आवेदिका श्रीमती नीलम जाटव, ग्राम पंचायत समोहा के केन्द्र समोहा03 के लिए चयनित आवेदिका श्रीमती कल्पना लोधी, प्रतीक्षारत आवेदिका कु.प्रियंका पाठक, ग्राम पंचायत नयागांव के केन्द्र हरिजन बस्ती नयागांव के लिए चयनित आवेदिका श्रीमती पूजा जाटव, प्रतीक्षारत आवेदिका श्रीमती वर्षा बघेल तथा ग्राम पंचायत मगरौनी के केन्द्र क्रमांक वार्ड-09 मगरौनी के लिए चयनित आवेदिका श्रीमती अंजली राजपूत, प्रतीक्षारत आवेदिका श्रीमती रूमाली प्रजापति का अनंतिम चयन किया गया है।उक्त अनंतिम सूची के विरुद्ध दावे आपत्तियां मय साक्ष्यों के 7 फरवरी तक परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास परियोजना नरवर के कार्यालय में कार्यालयीन समय में स्वीकार किए जाएंगे। बिना साक्ष्य एवं निर्धारित दिनांक के पश्चात प्राप्त दावे आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा तथा अंतिम चयन मान्य किया जाएगा।

प्लेसमेंट ड्राइव आज जिला रोजगार कार्यालय में

राकेश परिहार रिपोर्ट पिछोर

शिवपुरी, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी द्वारा 31 जनवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक कोर्ट रोड स्थित जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी में प्लेसमेंट ड्राइव (रोजगार मेला) का आयोजन किया जाएगा।जिला रोजगार अधिकारी श्री स्वप्निल श्रीवास्तव ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में निजी क्षेत्र की ईगल सिक्योरिटी सर्विस एण्ड गुरुकृपा प्लेसमेंट, आईएफएफडी, मेन्यूफेक्चरिंग प्रोडक्शन शिवपुरी, इंडसड बैंक शिवपुरी, एस.बी.आई लाइफ इंश्योरेंस, आईसर एकेडमी शिवपुरी आदि कंपनी भाग लेंगी। जिसमें ड्रेस मेकर, सेल्स मार्केटिंग, सेल्स एग्ज्यूकेटिव, मास्टर ट्रेनर, रिसेप्सनिष्ट, बीमा अभिकर्ता, फील्ड ऑफिसर, वर्कर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर, ट्रेनी आदि पदों पर महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। उक्त अभ्यर्थी 10वीं, 12वीं एवं स्नातक पास होना अनिवार्य है।रोजगार मेले में भाग लेने के लिए आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष तक होनी चाहिए। इच्छुक आवेदक/आवेदिका जॉब फेयर में भाग लेने हेतु अपने साथ सभी अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड एवं पासपोर्ट साइज फोटो आदि लेकर उपस्थित हों। रोजगार कार्यालय में भाग लेने के लिए रोजगार पंजीयन लाना अनिवार्य है

भाजपा कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भिंड – भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 75वी पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी मार्केट पर स्थित गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि बापू के नाम से लोकप्रिय महात्मा गांधी ने अहिंसा के माध्यम से कई स्वतंत्रता आंदोलनों का नेतृत्व किया था।स्वदेशी और स्वावलंबन के मार्ग पर चलकर देश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा देने वाले महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।भारतीय जनता किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रक्षपाल सिंह ने कहा कि बापू ने देश की आजादी के लिए नमक, असहयोग और भारत छोड़ो आंदोलन चलाया. उनकी दांडी यात्रा तो आज भी मिसाल की तरह पेश की जाती है. अपने सभी आंदोलनों में महात्मा गांधी ने अहिंसा का परिचय दिया. इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री उपेंद्र राजोरिया, जिला मंत्री डॉ तरुण शर्मा, किसान मोर्चा जिला महामंत्री धर्मेंद्र टंटी राजावत, मंडल अध्यक्ष टीपू भदौरिया, मंडल अध्यक्ष अमित जैन, मुरैना विधानसभा प्रभारी आकाश पुरोहित, युवा मोर्चा सह कोषाध्यक्ष सौरभ जैन,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अभिनव तोमर, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष अवनीश त्रिपाठी, मंडल मंत्री भूपेंद्र ओझा एवं मंडल मंत्री कुलदीप राठौर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद पंचायत कैलारस की ग्राम पंचायतों में हो रहा गुणवत्ता हीन एवं अनुपयोगी निर्माण कार्य

ग्राम पंचायत भिलसईयां में रपटा का निर्माण कार्य चल रहा है गुणवत्ता हीन एवं अनुपयोगी रपटा का निर्माण कार्य जिस जगह पर कर वाया जा रहा जिस जगह पर कोई आवश्यकता नहीं है 10 लाख रुपए से लेकर 15 लाख रुपए खर्च कर रहे हैं लेकिन फिर भी गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं इससे साफ जाहिर होता है कि जनपद के अधिकारियों के संरक्षण कराये जा रहे घटिया निर्माण कार्य सरपंच और सचिव एवं उपयंत्रीयो की मिलीभगत से हो रहे तालाब चैक डैम गलीपिल्क पत्थर नाले रपटा निर्माण कार्य कराये जा ग्राम पंचायतों में घटिया एवं गुणवत्ता हीन एवं अनुपयोगी बिना देखे करते हैं सबईजीन्यर विल बाउचर पास लाखों रुपए का कर देते हैं मुल्यांकन कैलारस जनपद की दो दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में हो रहे निर्माण कार्य घटिया एवं गुणवत्ता हीन एवं अनुपयोगी ग्राम पंचायत भिलसईयां में शिकायत कर्ता हेम सिंह यादव ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर से की शिकायत रपटा निर्माण कार्य कराया गया घटिया एवं गुणवत्ता हीन एवं अनुपयोगी

पब्लिक सेंट्रल इंटर कॉलेज में मनाई गांधी जी की पुण्यतिथि

देश की आजादी की लड़ाई में गांधी जी की अहम भूमिका रही: अमित दांतरे

30 जनवरी साल 1948 यहीं वो दिन था, जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की नाथूराम गोडसे ने हत्या कर दी थी। नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को तीन गोलियां मारकर हत्या की थी। आज बापू की 75वीं पुण्यतिथि है। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रुप में भी मनाया जाता है।आज पब्लिक सेंट्रल इंटर कॉलेज में शिक्षकों व स्कूल संचालक श्री एम एस चौहान द्वारा बच्चो को गांधी जी की जीवन शैली और देश की आजादी के लिए संघर्ष और लड़ाई के बारे में बताया और उनके पगचिन्हो पर चलने के लिए प्रेरित कियाजिसमे मुख्य रूप से आयुष ओझा, रिक्की चौहान, गोलू चौहान, अन्नू भदौरिया, विवेक भदौरिया आदि मौजूद रहे

लगभग 80 हायस्कुल व सैकेण्डरी 50 स्कुलो के मेटिनेंस के लिए मिले 3/3 लाख दिसंबर तक होना काम लेकिन नही हुआ

श्योपुर शासन ने हायस्कुल हाय सैकेण्डरी स्कुलो की मरम्मत लिए मध्यप्रदेश शासन ने शिक्षा विभाग को ही 3/3 लाख रूपये लगभग 40 स्कुलो के दिये है हमेशा लोक निर्माण विभाग को मरम्मत की राशि दी जाती थी लेकिन इस बार शिक्षा विभाग को ही मरम्मत कार्य के लिए राशि दी गई है पूरे प्रदेश मे 270 करोड रूपये की राशि स्कुलो की मरम्मत के लिए जारी की गई है वही जिला शिक्षा अधिकारी रविन्द्र सिंह तोमर ने लगभग 30 को चयन कर मेटिनेंस कार्य कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिये थे लेकिन आज तक कोई भी मरम्मत का कार्य नही हुआ ये राशि स्कुलो के खातो मे जारी कर दी गई लेकिन जनवरी के लास्ट तक कोई काम चालु नही हुआ हमेशा से लोक निर्माण विभाग ही ये कार्य कराता है लेकिन इस बार शिक्षा विभाग को ये जिम्मेदारी दी गई शासकीय हाई स्कूल दातरदां सोईकलां नागदा पांडोला अलापुरा बडोदा कन्या उच्चतर माध्यमिक श्योपुर मेवाड़ा विजयपुर विकासखण्ड के सहित लगभग 30 स्कुलो को राशि दी गई लेकिन मेटिनेंस कार्य अभी शुरू नही स्कुलो मे बाउड्रीवॉल शौचालय पुताई कलर पेन्ट आदि अन्य कार्य के लिए राशि दी गई लगभग 4/5 वर्षो से जिन स्कुलो की मरम्मत नही हुई उनको राशि दी गई है इस संबध जिला शिक्षा अधिकारी रविन्द्र सिंह तोमर ने कहा था कि दिसंबर 31 तक मरम्मत कार्य चालु हो जायेगा लेकिन आज दिनांक तक कोई काम नही हुआ जिला कलेक्टर महोदय शिवम वर्मा का कहना है कि इस संबध मे विभागीय अधिकारी से जानकारी लेकर जल्द ही मेटिनेंस कार्य के लिए निर्देशित करेगे हाय स्कूल व हायसैकण्डरी के अतिरिक्त माध्यमिक विद्यालय मे भी स्कुलो मे मेटिनेंस की राशि स्वीकृत की गई है
पुर्व मे भी बाढ से प्रभावित स्कुलो के लिए 70 लाख की राशि आई थी लेकिन पूरी तरह से काम नही हुआ बता दे कि अतिवृष्टि से अगस्त 2021 मे बाढ प्रभावित स्कुलो के मेटिनेंस मरम्मत के लिए लाखो रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी लेकिन स्कूलो मे अधिकांश काम नही हुआ हाय स्कूल व हाय सैकेण्डरी स्कूलो के लिए 3/3 लाख की राशि से मरम्मत का कार्य जल्द चालु करने की कवायद की जाये
पहले हमेशा से लोक निर्माण विभाग के अतंर्गत मरम्मत की राशि दी जाती थी इस बार शिक्षा विभाग को मेटिनेंस के लिए राशि दी गई जल्द ही मेटिनेंस का कार्य शुरू होगा
(जिला शिक्षा अधिकारी श्योपुर रविन्द्र सिंह तोमर)
बिलकुल सही है मरम्मत कार्य चालु होना चाहिए जल्द ही इस संबध मे जानकारी लेकर मरम्मत कार्य चालु करवायेगे
(जिला कलेक्टर महोदय शिवम वर्मा श्योपुर)

प्रभारी मंत्री ने किया पेसा फिल्म को रिलीज

मध्य प्रदेश के अनुसूचित 89 विकास खंडों में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू की मौजूदगी में पेशा कानून के प्रावधानों को लागू किया गया है जिसमें श्योपुर जिले का इकलौता विकासखंड कराहल है जहां पेसा कानून के प्रावधान लागू होते हैं पेशा कानून के जटिल प्रावधानों को स्थानीय भाषा में समझाने हेतु कलेक्टर शिवम वर्मा की परिकल्पना पर एक शार्ट फिल्म का निर्माण जनपद पंचायत कराहल द्वारा कराया गया है जिसमें कराहल के ही युवाओं को प्रशिक्षित कर अभिनय कराया गया है वीर सावरकर स्टेडियम श्योपुर मैं आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह से पैसा फिल्म को जिले के प्रभारी मंत्री भारत सिंह कुशवाह के साथ कलेक्टर शिवम वर्मा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अतेंद्र सिंह गुर्जर एसपी आलोक सिंह ने फिल्म के पोस्टर हाथ में पकड़ कर द पावर ऑफ ग्रामसभा फिल्म को रिलीज किया इस अवसर पर पैसा फिल्म की झांकी का प्रदर्शन भी जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में किया गया जहां फिल्म में अभिनय करने वाले कलाकार वेशभूषा में ऐसा कानून जागरूकता संबंधी नारे लगाते हुए झांकी के साथ चल रहे थे

लापरवाही से वाहन चलाकर घोर उपहति कारित करने पर आरोपी अजय गौड को न्यायालय ने दी छः माह के कारावास की सजा

विजयपुर । एक्सीडेंट के लगभग 6 वर्ष पुराने मामले में न्यायालय ने आरोपी अजय गौड़ को दोषी करार देते हुए छः माह के कारावास एवं कुल 10000 रू. के अर्थदण्ड से दण्डित किया। शासन की ओर से प्रकरण मे सफल पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती पूजा गुप्ता द्वारा की गईअभियुक्त अजय गौड ने दिनांक 30.06.2017 को लगभग 20-30 बजे कूनो सायफन से पहले एमएस रोड पर जो कि लोकमार्ग है पर फरियादी प्रीतम, आहत रेशमा, कल्लो, रामश्री, रामरति, सावंती, रामप्यारी, रामवती एवं लक्ष्मी को ट्रैक्टर क्रमांक एम.पी. 31 एए 8450 को तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर मानव जीवन संकटापन्न किया एवं उक्त दिनांक, समय व स्थान पर उक्त वाहन को तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर फरियादी प्रीतम एवं आहत रेशमा कल्लो, रामश्री, रामरति, रामप्यारी एवं रामवती को उपहति एवं आहत् लक्ष्मी व सावंती को गंभीर उपहति कारित की।माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्टेट प्रथम श्रेणी विजयपुर श्रीमान राहुल सिंह यादव द्वारा प्र.क्र. 780 / 17 मे अभियुक्त अजय गौड को

धारा 279 भा.द.वि मे तीन माह के कारावास व 1000 रू. के अर्थदण्ड धारा 337 भा.द.वि. में तीन-तीन माह के कारावास व 7000 रु. के अर्थदण्ड एवं धारा 338 भा.द.वि मे छः छः माह के कारावास एवं 2000 रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

आज देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलने की जरूरत : मानसिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि व भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रुप से जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने उपस्थित होते हुए सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रध्वज फेहरा कर राष्ट्रगान के साथ की तथा अपने उद्बोदन में श्री कुशवाहा ने कहा कि देश की आजादी में बापू ने जीवन समर्पित कर दिया और इस देश को आजादी दिलाई सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलकर हिटलर शाह नीतियों का को देश से खदेड़ने का काम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा किया गया। उसी तत्परता में देश में वर्तमान सरकार द्वारा हिटलर शाह नीति अपनाते हुए गरीब किसान मजदूर युवा बेरोजगारी के कारण रोड़ों

पर दर दर की ठोकर खाने के लिए मजबूर है पूरे देश में जाति धर्म के नाम पर नफरत का बीज बोने का काम भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के लोग कर रहे हैं इसीलिए राहुल गांधी जी ने भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से पूरे देश में मोहब्बत का पैगाम देने का काम किया है और देश से नफरत की राजनीति को हटाकर शांति सद्भाव वाली राजनीति को स्थापित करना अब आमजन का काम है उनके द्वारा की गई कश्मीर से कन्याकुमारी तक इस यात्रा में जुड़े करोड़ों लोगों का जनसैलाब इस बात का संदेश देता है कि देश में नफरत की राजनीति समापन की ओर है। कार्यक्रम में इरशाद अहमद,वीरेंद्र यादव,शैलेंद्र भदौरिया,रिजवान काजी, अशोक गुप्ता अरविंद सोनी,संतोष त्रिपाठी,राजेश शर्मा इत्यादि लोग उपस्थित हुए।

हमारा जीवन स्वयं के आनंद के लिए नहीं अपितु राष्ट्र कल्याण में समर्पित होना चाहिए: संजय करकरे

अम्बाह – सुख और आनंद जीवन की कामना है, लेकिन यह व्यक्तिगत सुख तक नहीं होना चाहिए। हिमालय पर जाकर आत्म साधना, ध्यान केवल हमारे आत्म आनंद तक सीमित न हो, हमारी साधना,ध्यान, तप, समाज कल्याण और राष्ट्र कल्याण में लगना चाहिए तभी हमारे जीवन की सार्थकता है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने यह ज्ञान अपने शिष्य विवेकानंद को दिया था । स्वामी रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद के जीवन पर अनेक प्रसंग अम्बाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में रामकृष्ण मिशन आश्रम शारदा बालग्राम ग्वालियर के समन्वयक संजय करकरे ने विद्यार्थियों को सुनाए। साथ ही महाविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद व रामकृष्ण परमहंस के जीवन पर आधारित पुस्तकों का मेला लगाया गया, रामकृष्ण मठ पुणे महाराष्ट्र से आए पुस्तक वाहन में सैकड़ो पुस्तकों को देखने खरीदने का लाभ विद्यार्थियों को मिला।

उक्त आयोजन रामकृष्ण मिशन की 125वीं जयंती व आजादी के अमृत महोत्सव के तहत महाविद्यालय ढ्ढक्त्रष्ट के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर ने संजय करकरे का माल्यार्पण कर स्वागत किया व परिचय दिया। कार्यक्रम डॉ. शशिवल्लभ शर्मा के संयोजन में आयोजित किया गया। जिसमें एनसीसी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. मंजू तोमर, एनएसएस से डॉ. रक्षा कम्ठान, डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रसायन शास्त्र के प्रोफेसर डॉ. रामकिशोर उपाध्याय किया। स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र पर छात्र आशुतोष शुक्ला ने अपने विचार वक्त किये। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शशिवल्लभ शर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया।

अब मनचलों की खेर नहीं: थाना प्रभारी बलवंतसिंह यादव

अपराधियों में हड़कंप

मालनपुर संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत
पुष्पांजली टुडे

उद्योग क्षेत्र मालनपुर में पूर्व से बढ़ते हुए अपराधियों को कम करने के लिए 24 घंटे तत्पर रहने के लिए चार्ज संभालते ही गुंडों अपराधियों की धरपकड़ जारी है दो मजनुओं को जेल की कार्रवाई कर जेल भेज दिया है थाना प्रभारी एसआई बलवंत सिंह यादव थाने की कमान अभी कुछ दिन पूर्व ही संभाला है लोगों ने शिकायत की क्षेत्र में 10-15 नवयुवकों मजनुओं की टोली शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या शाला के इर्द-गिर्द कुछ शरारती युवक लड़कियों के इर्द गिर्द घूम कर उन्हें परेशान करने की शिकायतें की थाना प्रभारी ने तत्काल शिकायत को संज्ञान में लिया और छात्रों को परेशान करने वाले मजनुओं की धरपकड़ के लिए जवान लगा दिए दो मजनुओं को 30/1 /2023 को उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर जेल भेजने की कार्रवाई की जिसमें राज चौहान पुत्र अमोल सिंह चौहान निशू विश्वकर्मा पुत्र रामअवतार गौड को पकड़ा शेष लड़के भाग गए थाना प्रभारी बलवंत सिंह ने बताया कि क्षेत्र में पहले कुछ भी रहा हो जब तक मैं थाना प्रभारी हूं यह सब चाहे गुंडे हो फैक्ट्रियों में चोरी करने वाले स्कूल छात्रों को परेशान वाले मजनुओं आदि हो अपराधी हमसे बचेंगे नहीं चाहे मैं रहूं पहले इस तरह की कोई कार्यवाही नहीं की जबकि क्षेत्र में पुलिस का भय ही नहीं था अपराधियों को खुली छूट दे रखी थी यादव के चार्ज संभालते ही फैक्ट्री परिश्रम से चोरी करने वालों को अभी मय लोडिंग गाड़ी अपराधियों को पकड़ा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में धरपकड़ अभियान से क्षेत्र में गुंडे जुआरी चोरों एवं मजनुओं में हड़कंप मचा हुआ है

नौ सूत्रीय मांगो को लेकर सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिला ग्वालियर ने मुख्य मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। के सी शर्मा महासंघ जिला सचिव से प्राप्त जानकारी अनुसार नौ सूत्रीय मांगो को लेकर सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिला ग्वालियर ने मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर जिला ग्वालियर को दिया।

सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिला ग्वालियर– द्वारा नौ सूत्रीय मागपत्र का ज्ञापन आज दिनांक 27/1/23 को मुख्य मंत्री के नाम कलेक्टर जिला ग्वालियर को दिया गया।कलेक्टर प्रतिनिधि कार्यपालक मजिस्ट्रेट तहसीलदार श्री राम निवास सिकरवार ने ज्ञापन लिया। ज्ञापन में पेंशनर महासंघ द्वारा निम्न मांगे उल्लखित की गई। मध्यप्रदेश के सभी पेंशनर को केंद्र के समान महंगाई राहत दी जाए। छटे वेतन मान में 32 माह के एरियर तथा सातवे वेतन मान में 27 माह के एरियर का भुगतान किया जाए। सेवा निवृत कर्मचारियो को, कर्मचारियो की भांति

मृत्यु होने पर 50000 हजार रुपये अनुदान दिया जाए

पेंशनर को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाए। पेंशनर को 65 वर्ष पूर्ण होने पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जाए। पेंशन आय नही है जीवन निर्वाह है इसे आयकर से मुक्त किया जाए । सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ के प्रतिनिधियो को कर्मचारी संघ की भांति शासन द्वारा आयोजित बैठको में प्रतिनिधित्व दिया जाए राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 को विलोपित के प्रस्ताव केंद्र को भेजे जाए। मांग पत्र महासंघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रीराम गोयल ने पड़कर सिकरवार जी को प्रस्तुत किया। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश संरक्षक बसंत पुरोहित,उपाध्यक्ष विवेक कुमार दीक्षित ,कोषाध्यक्ष रामकुमार गुप्ता,आनंद गोस्वामी,देवसिह कुशवाह,योगेन्द्र सिंह भदौरिया, ए के सरकार,अशोक भटनागर, के के सक्सैना, वनीसिंह वर्मा, सुधीर चतुर्वेदी, रंजीत शर्मा हरीप्रकाश श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल रहे।

स्टूडेंट्स एम पॉवरमेंट माइड पॉवर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू : काँठाप्रांत विजयनगर मण्डल बेंगलोर के तत्वाधान मे विजयनगर जैन स्थानक भवन में रविवार दोपहर को युवा एवं युवतियों के लिए स्टूडेंट्स एम पॉवरमेंट थ्रू माइंड पॉवर का आयोजन किया गया। सुरेन्द्र गूँदेचा के विज्ञप्ति अनुसार सर्वप्रथम कार्यक्रम के अथितियों को मंडल के सदस्यो द्वारा मंचासीन कराने के बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन के दो रास्ते होते हैं। एक रास्ता अच्छाई की तरफ जाता है तो दूसरा रास्ता बुराई की तरफ बुराई का रास्ता भले ही सरल और सुगम लगे लेकीन अंततः जीवन को बर्बाद कर देता है। अच्छाई का रास्ता भले ही कठिन हो लेकिन आगे चलकर यही रास्ता सच्ची और मजबूत बुलंदियों को छूने में मदद करता है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांटा प्रांत के वरिष्ठ श्री घेवरचंद जी कटारिया एवम श्री हंसराज जी मुनोथ उपस्थित थे।मोटीवेशनल स्पीकर डॉ विमल जैन ने अपने विचार रखते हुए कहा आपका मन ही आपके जीवन का निर्माता है। जो कुछ भी आप मन में निरंतर सोचते हैं वो आपके जीवन में होना शुरू हो जाता है। अगर आप सोचते हैं कि आप कुछ नहीं कर सकते तो आप कुछ नहीं कर पाएंगे लेकिन अगर आप सोचते हैं कि आप सब कुछ कर सकते हैं तो आप वो सब कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। आपके के अवचेतन मन में अपार शक्ति और संभावनाएं हैं। विद्याभ्यास का समय जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है।यही समय है जब आपके तन में शक्ति और मन में उत्साह भरा होता है। और यही वो समय है जहा आप पूरे जीवन की रूपरेखा तैयार करते है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए काँठाप्रांत विजयनगर मण्डल के सभी सदस्यों ने तन मन धन से सहयोग दिया। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किया गया। दस प्रतिभागियों को विशेष पुरुस्कार दिए गए। कार्यक्रम के बैंगलोर के विभिन्न क्षेत्रों से 195 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मंच संचालन सुरेन्द्र गूँदेचा एवम महावीर गांधी ने सुचारू रूप से संपन्न किया । धन्यवाद ज्ञापन महावीर गुगलिया ने किया। अंत में कार्यक्रम के पश्चात मण्डल की और से सुरुचि भोज का आयोजन किया गया।

नवनिर्मित रामसा पीर मंदिर प्रांण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय महोत्सव 9 फरवरी से

पुष्पाजंलि टुडे

बेंगलुरू। मागड़ी रोड़ स्थित राधाकृष्णा कल्याण मंडप में रामदेव भक्त मंडल अग्रहार दासरहल्ली ट्रस्टियों की आम सभा का आयोजन हुआ।इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के संरक्षक इन्द्रलाल सोलंकी ने बताया की नवनिर्मित रामसा पीर मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 9 से 11फरवरी से शुरू होगा। महोत्सव की तैयारिया को लेकर भक्तों में भारी उत्साह है।इस अवसर पर रामदेव भक्त मंडल अग्रहार दासरहल्लि संस्था के संरक्षक इन्द्र लाल सोलंकी का पदभार ग्रहण - क्षत्रिय सीरवी सेवा समिति के संरक्षक इंद्रलाल सोलंकी बेंगलुरु ।इस मौके पर राजस्थान गौ सेवा सत्संग मंडल के भानाराम गेहलोत, सत्यनारायण मुलेवा,सुकंदकट्टे वडेर के अध्यक्ष रूगाराम चोयल ,शेषाराम सैणचा, घीसुलाल चोयल, पुर्व पार्षद श्रीधर ,श्रीनिवास,राजशेखर,कर्नाटक रक्षणा वेदिके के राजेश पारिक, जैन समाज के भिकम चंद,रामदेव भक्तमंडल के अध्यक्ष चेतन सीरवी,सचिव पंकज शर्मा,कोषाध्यक्ष लखाराम,राजपुरोहित समाज के राकेश सिंह , गुर्जर ,देवासी ,प्रजापत समाज के गणमान्य जन मौजुद रहे ।इस मौके पर शाम को स्व रूचि भोज का सभी प्रवासी बंधुओं ने आनन्द लिया। बड़ी संख्या मे महिलाएं व बच्चे थी मौजूद थे इसी को साथ जाजम कि भी मुहुर्त हुआ ।सभी के लिए उनके अनुरूप कार्य करने का कार्य भार सौंपा गया ।

कांग्रेस के युवा नेता राजेंद्र सिंह परिहार बने, मध्य प्रदेश राज्य समन्वयक युवा कांग्रेस आरटीआई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिंड। भिंड कांग्रेस के लोकप्रिय युवा नेता राजेंद्र सिंह परिहार की कांग्रेस नेता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सूचना का अधिकार नई दिल्ली के द्वारा प्रशंसा करते हुए श्री परिहार को प्रदेश की जिम्मेदारी सोंपी गई। आपको बता दें कि राजेंद्र परिहार के संदर्भ में जितना भी कहूं उतना कम ही होगा, क्योंकि जो हमेशा सभी साथियों को साथ लेकर चलने पर विश्वास रखते हैं। वह हमेशा निचले पायदान पर खड़े हुए कार्यकर्ता को कभी नहीं भूलते। इसी का यह कारण है कि आज प्रदेश के पदाधिकारियों के अलावा राष्ट्रीय पदाधिकारियों के द्वारा श्री परिहार को प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।लोकप्रिय कांग्रेस नेता अनिल कुमार मीणा राष्ट्रीय अध्यक्ष सूचना अधिकार नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के आरटीआई विभाग (सूचना के अधिकार) की प्रदेश अध्यक्ष बहन सुश्री शांभवी शुक्ला की अनुशंसा पर युवा नेता राजेंद्र सिंह परिहार जिला भिंड को मध्य प्रदेश राज्य समन्वयक युवा कांग्रेस सूचना अधिकार बनाया गया बनाए जाने पर लहार विधानसभा के लोकप्रिय नेता अमित प्रताप सिंह इफको डायरेक्टर मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ मेहगांव विधानसभा के लोकप्रिय नेता कांग्रेस जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाह, संदीप मिश्रा जिला अध्यक्ष सेवादल, गोहद लोकप्रिय विधायक मेवाराम जाटव, पूर्व प्रत्याशी लोकसभा देवाशीष जरारिया, आशीर्वाद शर्मा जिला महासचिव शालू पुरोहित प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस रणवीर सिंह परिहार जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस भिंड कुलदीप सिंह गुर्जर जिला महासचिव कांग्रेस आशीष गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष गोहद विजय निगम विधायक प्रतिनिधि कैलाश माहौर, ब्लॉक अध्यक्ष सेवादल रमजान खान, अवध किशोर, बंटी गुर्जर, विधानसभा अध्यक्ष युवक कांग्रेस गौरव कोहली, जिला अध्यक्ष भिंड ऋक्कढ्ढ विभाग पूर्व ब्लाक अध्यक्ष एनएसयूआई हरीश चंद्र शुक्ला चौधरी राजू सिंह राठौर उदय सिंह परिहार सुनील माहोर, धर्मेंद्र माहौर विजय राठौर आदि कार्यकर्ताओं ने बधाई दी परिहार ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उस जिम्मेदारी के लिए नेता प्रतिपक्ष हम सबके नेता आदरणीय डॉक्टर गोविंद सिंह जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अनिल कुमार मीणा जी आदरणीय विक्रांत भूरिया जी शांभवी शुक्ला जी का आभार व्यक्त किया और कहां की आप सभी जो जिम्मेदारी दी है उसकी पूर्ण रूप से निर्वाहन करूंगा

इंटक कांग्रेस ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गांधी मार्केट स्टेचू पर माला पहना कर इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष शांति कुशवाह ने लोगों से कहा आज हमारे गांधी जी के कई उपलब्धियां हैं चाहे वह भारत छोड़ो चाहे वह नमक आंदोलन हो इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप जैन गुड्डा संदीप मिश्रा गांधी चौपाल के जिला प्रभारी अरविंद सोनी ,खेल प्रकोष्ठ राजेश कुमार शाक्य, कुरमुरी गांधी चौपाल प्रभारी कमलेश यादव, जिला कांग्रेस सचिव विनोद जाटव यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष विक्रम सिंह राजावत ,अजय शर्मा, गंगाराम जाटव ,कमलेश जाटव, पवन चौरसिया ,पिंटू शर्मा सहित आदि लोगों ने गांधीजी को पुष्प अर्पित किए।

सबलगढ शहर मे है समस्याओं का अंबार ,,जिम्मेदार नही दे रहे है ध्यान

आवासो से ही संचालित होते है । कार्यालय

संवाददाता --हरिओम शर्मा

सबलगढ़ -- शहर सबलगढ़ आजकल समस्याओं का शहर बनता चला जा रहा है पिछले कुछ वर्षों से किसी भी समस्या का कोई समाधान धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है विभाग खाली पड़े हैं अधिकारी बैठते नहीं है नियमित स्टाफ की कमी है आउट सोर्स और अटैचमेंट स्टाफ बेलगाम होकर मनमानी कर रहे हैं आम जनता परेशानी में हैं इसके अलावा शहरकी समस्या चाहे गंदगी हो अतिक्रमण हो जाम की स्थिति हो नामांतरण हो जाति प्रमाण पत्र हो आरक्षण फार्म हो मध्यान भोजन हो शहर एवं आम रास्ते सब्जी मंडीयोमेंसूअर पशुओं का जमघट हो घूसखोरी हो यह सभी समस्याएं श हरको अजगर की तरह निकलती जा रही है जगह जगह गली मोहल्लों में गंदगी के ढेर सूअर और गायों का जमावड़ा है बीमारियां फैल रही है लोगों का जीना दूभर हो गया है मुख्य मार्ग तथा शहर के कई हिस्सों में अतिक्रमण पैर पसार रहा है जिससे जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है बाईपास ना होने सेदुर्घटनाएं हो रही है सरकारी भूमियों का दुरुपयोग हो रहा है

दो सेकड़ा गन्ना उत्पादक स्वयं सेवक दो सौ गांव मे कर रहे है सर्वेक्षण कार्य

कारखाना चलाने गन्ना उत्पादक किसानों की बैठक कैलारस में सम्पन्न

कैलारस। शक्कर कारखाना कैलारस मे पुन उत्पादन प्रारंभ कराने के लिए एक शैलेन्द्र बरूआ के मुख्य आतिथ्य मे धाकड मेरिज गार्डन कैलारस मे एक बैठक आयोजित की गई।म प्र पाठय पुस्तक निगम के चेयरमैन(केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) श्री शैलेन्द्र बरूआ जी ने कहा कि माननीय मुख्य मंत्री शिवराजसिंह किसानो के लिए बहुत संवेदनशील है हमदर्द है और कृषक समृद्धि प्रधानमंत्री व मुख्य मंत्री महोदय व सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।पाच हजार किसानो के हस्ताक्षर देखकर वे आश्चर्य चकित भी थे। उन्होने कहा कि यह प्रयास अद्भुत है इन्ही प्रयासो के फलस्वरूप ही नीलामी निरस्त की गई हो और अब माननीय नरेंद्र सिंह जी ने जब सहयोग करने का निश्चय कर लिया है तो सफलता मिलेगी ही।उन्होने यह माननीय मुख्य मंत्री महोदय व माननीय नरेंद्र सिंह व सहकारिता मंत्री अरविंदभदौरिया जी से चर्चा कर औपचारिक आदेश घोषणा कराने का मत व्यक्त किया। सम्पूर्ण सभागार ने ताली बजाकर व उच्च स्वर मे माननीय शिवराजसिंह व नरेंद्र सिंह जी व अरविंद भदौरिया तुलसीराम सिलावट व शैलेन्द्र बरूआ का धन्यवाद आभार व्यक्त किया गया।बैठक मे गन्ना उत्पादन हेतु गावो मे सर्वेक्षण कर रहे स्वयं सेवको को बुलाया गया था।कारखाना चलाने के गन्ना उत्पादन की इच्छुक किसानो का रकबा बाइज स्वैच्छिक सर्वेक्षण के मध्यान्चल किसान उद्योग लिमिटेड के चेयरमैन एम डी पाराशर व अन्य प्रमोटरो गावो के युवको का आव्हान किया था फलस्वरूप दो सौ चालीस स्वयंसेवको ने स्वैच्छिक अवैतनिक गन्ना सर्वेक्षण व ग्रामोद्योगो के लिए काम करने की रूचि की अभिव्यक्ति की है। अभी तक एक सौ पाच गांवो से पाच हजार किसानो द्वारा दस हजार एकड मे गन्ना लगाने का लिखित प्रस्ताव दिऐ है।यह प्रस्ताव किसान के नाम मोबाइल नंबर किसान के प्रतिनिधि का नाम व हस्ताक्षर सहित स्वयंसेवको ने प्राप्त किए है।इन प्रस्तावो को गावो के सरपंचो द्वारा सत्यापित किया गया है।शेष गावो मे सर्वेक्षण अभी चल रहा है।आशा है कि लगभग बीस हजार एकड मे गन्ना लगाने के प्रस्ताव प्राप्त होगे।यह स्वयंसेवक राजेन्द्र शुक्ला बनबारी लाल शुक्ला नागेश शर्मा जाप थाप बन्टी शर्मा मुन्सीराम शर्मा पूर्व गन्ना प्रबंधक के मार्गदर्शन मे काम कर रहे है। बैठक मे इन स्वयं सेवको का स्वागत कर धन्यवाद व्यक्त किया गया।बैठक मे

किसानो आय बढ़ाने व रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए किसान परिवारो के ही उद्यमी इंजीनियर श्री देवकीनन्दन धाकड जो अहमदाबाद मे रहते है व बायोगैस बायोफर्टलायजर उत्पादन के विशेषज्ञ है ने नेपियर ग्रास आधारित संयत्र लगाने का प्रस्ताव दिया विश्वनाथ धाकड सहसराम ने ग्रेडिंग पेकिंग संयत्र लगाने तथा कृषि विश्वविद्यालय के डाक्टर मुकेश कुशवाह ने नर्सरी व बीजोत्पादन के व्यवशाय का प्रस्ताव दिया। कम्पनी के चेयरमैन एम डी पाराशर ने इन सभी प्रस्तावो पर योजना बनाकर शीघ्र कार्यवाई प्रारंभ करने का मत व्यक्त किया।श्री पाराशर ने कारखाने के लील्हेर का पुरा फार्म पर एक पाच हजार गायो का एनिमल होस्टल बनाने की योजना भी बताई। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री महोदय नरेंद्र मोदी द्वारा अपने मुख्य मंत्री कार्यकाल मे अकोदरा हिम्मत नगर गुजरात मे बनाऐ गये होस्टल से प्रेरणा लेकर बनाई जा रही है। बैठक को अर्थशास्त्र के प्रोफेसर जिन्होने शक्कर कारखाने पर ही पी एच डी की है डाक्टर एस के शर्मा ने सम्बोधित कर कहा है यह देश के इतिहास मे किसान समृद्धि के बहुत बडा काम हो रहा है जिसमे मृत उद्योग को पुनर्जीवित कर हजारो किसानो की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है।अगर यह भावना नेतृत्व काम करता रहा तो क्षेत्र की समृद्धि हरियाणा से आगे निकलेगी। बैठक की अध्यक्षता रामलाल धाकड जी ने की। कैलाश मित्तल ने कहा कि इस कार्य हेतु पैसे की कोई कमी नही आने दी जाएगी।बैठक को सर्व राजेन्द्र शुक्ला बनबारी लाल शुक्ला रामलखन धाकड हेमन्त धाकड मुरारी लाल धाकड पूर्व सहायक आयुक्त रविन्द्र शर्मा गिर्राज पाराशर एस एस शर्मा एवम धाकड ने सम्बोधित किया ।अध्यक्षीय उद्बोधन मे रामलाल धाकड ने कहा कि हमारे समाज व चार तहसीलो जौरा कैलारस सबलगढ विजयपुर के किसानो का विकास के लिए एक अनूठा शान्त आन्दोलन है जो बिना डण्डे और झण्डे के घर घर चल रहा है इसीलिए अभी पाच हजार हस्ताक्षर है और भविष्य मे बीस हजार होगे उन्होने व्यक्त किया हमारे मार्गदर्शक योजनाकार श्री एम डी पाराशर है उनकी मेहनत से हमारे सपने साकार होगे व माननीय मुख्य मंत्री महोदय व श्री शिवराजसिंह जी श्री नरेंद्र सिंह जी व अन्य नेताओ के सहयोग से शीघ्र ही कारखाना प्रारंभ होगा। इस बैठक में रवि शर्मा सबलगढ़, हेमंत धाकड़, रामनारायण धाकड़, महेश श्रीवास्तव, अजमेर यादव हरिराम धाकड़, दाताराम धाकड़, बंटी शर्मा, मुन्ना लाल धाकड़, एवं सैकड़ों गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित थे।

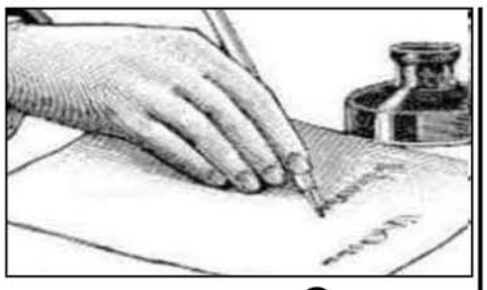

सम्पादकीय

जंतर-मंतर के दांव-पेच और बाहुबली

इस बार पहलवानों का दंगल जंतर-मंतर पर जमा था जी! जंतर-मंतर पर जोर-आजमाइश के लिए किसान तो इधर अक्सर ही पहुंचने लगे हैं। कई बार मजदूर भी पहुंचते हैं। सरकारी कर्मचारी भी पहुंचते हैं। छात्रों और युवाओं की सरकार के साथ जोर-आजमाइश तो जंतर-मंतर पर आए दिन होती ही रहती है। लेकिन पहलवानों का दंगल जंतर-मंतर पर पहली बार जमा था। वैसे तो जंतर-मंतर है ही दंगल की जगह। सरकार ने ही तय कर रखी है, कोई क्या करे। यहां पाले में एक तरफ होती है सरकार और दूसरी तरफ होते हैं उसके विरोधी। कई बार विरोधी नहीं भी होते तो वे सरकार से कुछ-कुछ मांग जरूर रहे होते हैं। लेकिन हाथ फैलाकर नहीं, मुट्ठी बांधकर। दंगल की जगह होने के बावजूद जंतर-मंतर पर पहलवान पहले कभी नहीं पहुंचे थे। अलबत्ता कुश्तियां वहां चलती रहती थीं। कई बार असली जीत-हार वाली भी और कई बार नूराकुश्ती भी। दाव असली भी होते थे, दांव नकली भी होते थे। इसके बावजूद पहलवान वहां नहीं होते थे। इस बार वहां पहलवान ही पहुंचे थे और असलीवाले ही पहुंचे थे। फिर खास बात यह कि वे पाले में सभी एक ही तरफ खड़े थे। दूसरी ओर तो बाहुबली थे। यह सच है कि फिल्म दंगल भी हिट हुई और फिल्म बाहुबली भी हिट हुई। लेकिन यहां पहलवान कह रहे थे कि हम पिट रहे हैं और बाहुबली कह रहे थे कि हम पिट रहे हैं। जबकि असल में न पहलवान ऐसा कहते हैं और न ही बाहुबली ऐसा कहते हैं। वो जो फिल्म बाहुबली के बाहुबली थे, वे सत्ताविरोधी थे। जबकि कायदे से बाहुबली या तो सरकार के साथ होते हैं या फिर सरकार उनके साथ होती है। जो बाहुबली सत्ताविरोधी होते हैं, उनकी गाड़ियां रास्ते में पलट जाया करती हैं या फिर वे जेलों की सलाखों के पीछे पाए जाते हैं और उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर दौड़ा करते हैं। सत्ताधारी पहलवानों को भी अपने साथ ही लगाए रहते हैं और कई बार तो लोगों की शिकायत होती है कि पहलवान ही उन्हें सहारा देते हैं। लेकिन इस बार जो दंगल जमा था, उसमें सत्ता रेफरी की तरह बीच में खड़ी थी और उसकी एक तरफ पहलवान थे और दूसरी तरफ बाहुबली। सबसे पहली बात तो यह कि यह नूराकुश्ती नहीं थी। जोर-आजमाइश फुल थी। अब पहलवान थे तो उन्हें तो कुश्ती के दांव आते ही थे, लेकिन उन्हें राजनीति के दांव नहीं आते थे। उधर बाहुबली को सारे दांव आते थे। दंगल वाले भी और राजनीति वाले भी। सो उन्होंने जात बिरादरी से लेकर राजनीति तक सब की। फिर भी पहलवान अड़े रहे, डटे रहे। रेफरी ने उन्हें थपकी दी और बाहुबली की ओर आंखें तरेरी। पर हार-जीत अभी कोई हुई नहीं है।

कब हुई नागा विद्रोह की शुरूआत? अब क्या है स्थिति

असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और बर्मा राज्य की सीमा में 16 प्रमुख जनजातियों और विभिन्न उप-जनजातियों बसी हुई है। नगा जनजातियों के हमेशा असम और म्यांमार में जनजातियों के साथ सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संबंध थे। 1826 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने असम पर अधिकार कर लिया। 1892 तक तुएनसांग क्षेत्र को छोड़कर नागालैंड पर अंग्रेजों का शासन था। इसे राजनीतिक रूप से असम में मिला दिया गया था, जो लंबे समय तक बंगाल प्रांत का हिस्सा था। 1957 में नागा हिल्स असम का एक जिला बन गया। 1963 में आधिकारिक तौर पर राज्य का दर्जा दिया गया था और 1964 में पहले राज्य स्तरीय लोकतांत्रिक चुनाव हुए थे। कब हुई नागा विद्रोह की शुरूआत? नागालैंड उत्तर पूर्व में सबसे पुराने विद्रोह का घर रहा है। भारत की स्वतंत्रता से पहले ही नागाओं द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के विचार की कल्पना की गई थी। नागालैंड ने 1963 में राज्य का दर्जा प्राप्त किया और आज इसमें जनजातीय समानता के आधार पर विभाजित 18 जिले शामिल हैं। नागा विद्रोह की शुरूआत 1946 में नागा नेशनल कांग्रेस (ठठउ) के गठन के साथ हुई। सशस्त्र विद्रोह को रोकने के लिए 1953 में भारतीय सेना के प्रवेश के परिणामस्वरूप पार्टी ने नागा संघीय सेना (ठत्रअ) नामक एक सशस्त्र शाखा का गठन किया। नागा संघीय सरकार (ठत्रळ) नामक एक भूमिगत सरकार भी बनाई गई थी। शांति की दिशा में पहला बड़ा प्रयास 1975 में शिलांग समझौते पर हस्ताक्षर करना था। हालाँकि, शांति समझौते के कारण एनएनसी के भीतर विद्रोह हुआ, जिसके कारण 1980 में एनएससीएन की नींव पड़ी। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड में पड़ी फूट एनएससीएन के शीर्ष नेताओं के बीच विचारधाराओं के अंतर के कारण 1988 में समूह में विभाजन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप ठरउठ (क्ट) और ठरउठ (ड) का गठन हुआ। दोनों समूहों ने वर्तमान नागालैंड राज्य और असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के नागा बसे हुए क्षेत्रों के क्षेत्र को शामिल करते हुए एक संप्रभु नागालिम बनाने की मांग को आगे बढ़ाया। एनएससीएन आईएम को छोड़कर ये सभी समूह नगा नेशनल पॉलिटिकल ग्रुप्स (एनएनपीजी) की छतरी के नीचे काम करते हैं। उसी वर्ष ठरउठ (क्ट) में जेलियांग्स द्वारा विभाजन के परिणामस्वरूप जेलियांग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (ZUF) का गठन हुआ। लंबे समय तक हिंसा ने शांति की आशा का मार्ग प्रशस्त किया जब ठरउठ (IM) ने 1997 में भारत सरकार के साथ संघर्ष-विराम में प्रवेश किया, उसके बाद 2001 में ठरउठ (K) ने संघर्ष-विराम किया। गठन पर ठरउठ (KK) ने भी संघर्ष विराम पर हस्ताक्षर किए। सरकार। 2012 में ठरउठ (K) ने म्यांमार सरकार के साथ संघर्ष विराम समझौता किया। इस समझौते ने म्यांमार के सागैंग प्रांत में लाहे, लेशी और नान्युन जिलों में एनएससीएन (के) स्वायत्तता प्रदान की। नागरिक समाज ने भी शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनएससीएन (के) ने एकतरफा रूप से संघर्ष विराम समझौते को रद्द कर दिया। इस समूह के निर्णय के कारण एक और विभाजन हुआ और परिणामस्वरूप एनएससीएन (रिफॉर्मेशन) का गठन हुआ। एनएससीएन (के) ने उल्फा (आई), एनडीएफबी (एस) और केवाईकेएल के साथ मिलकर यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ वेस्टर्न एसई एशिया (यूएनएलएफडब्ल्यू) का गठन किया। एनएससीएन (के) ने उल्फा (आई), एनडीएफबी (एस) और केवाईकेएल के साथ मिलकर यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ वेस्टर्न एसई एशिया (यूएनएलएफडब्ल्यू) का गठन किया। गठन के बाद से, समूह नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में हिंसा की कई घटनाओं में शामिल रहा है। इस बीच ठरउठ (क्ट) ने भारत सरकार के साथ एक 'शांति समझौते' पर हस्ताक्षर किए, जो स्पष्ट रूप से भविष्य की वार्ता/संकल्प के लिए 'ढांचा' निर्धारित करता है। नागा विद्रोहियों से जुड़े परिधीय मुद्दों में 2013 में करबियों के साथ जातीय संघर्ष में एक अलग 'फ्रंटियर नागालैंड' राज्य और नागा रेंगमा हिल प्रोटेक्शन फोर्स (ठफऌढत्र) के लिए पूर्वी नागा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (एठढड) की मांग शामिल है। अब क्या है स्थिति वर्तमान स्थिति जटिल और अनिश्चित है, प्रत्येक समूह अपने एजेंडे को मूर्त रूप से आगे बढ़ा रहा है। मार्च 2015 में ठरउठ (ड) ने एकतरफा रूप से सीज फायर को निरस्त कर दिया। इसके बाद कोहिमा, तुएंगसांग और मणिपुर में हिंसक घटनाएं शुरू हो गई। एसएफ द्वारा की गई अन्य कार्रवाइयों ने नागालैंड में कई एनएससीएन (के) कैडरों को निष्प्रभावी कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप गुटों की युद्ध क्षमता में कमी आई। समूह बाद में म्यांमार में स्थानांतरित हो गया और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ वेस्टर्न साउथ ईस्ट एशिया बनाने के लिए नेशनल डेमोक्रेटिक फेडरेशन ऑफ बोडोलैंड (र) / यूनाइटेड लिबरेशन फ्रण्ट ऑफ असम(क) में शामिल हो गए। 15 जून को सीमा पार छापे के बाद एनएससीएन (के) के शिविरों पर लगाम लगाया गया। इस प्रकार एक भौगोलिक बफर बनाया गया और एसएफ के खिलाफ हिंसक कार्रवाइयों को अंजाम देने की उनकी क्षमता कम हो गई। समूह के अध्यक्ष खापलांग की 20 जून, 2017 को मृत्यु हो गई और खापलांग की मृत्यु के बाद पश्चिमी नागा और एक भारतीय नागरिक खांगो कोन्याक को संगठन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

> 1957 में नागा हिल्स असम का एक जिला बन गया। 1963 में आधिकारिक तौर पर राज्य का दर्जा दिया गया था और 1964 में पहले राज्य स्तरीय लोकतांत्रिक चुनाव हुए थे। कब हुई नागा विद्रोह की शुरूआत? नागालैंड उत्तर पूर्व में सबसे पुराने विद्रोह का घर रहा है।

रामचरितमानस सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं बल्कि जीवन दर्शन भी है

देश में अनेक राजनीति एवं गैर-राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित अराष्ट्रवादी एवं अराजक शक्तियां हैं जो अपने तथाकथित संकीर्ण एवं देश तोड़क बयानों से देश की एकता, शांति एवं अमन-चैन को छीनने के लिये तत्पर रहती हैं, ऐसी ही शक्तियों में शुमार बिहार के शिक्षा मंत्री श्री चन्द्रशेखर एवं समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिन्दू धर्म की आस्था को आहत करने वाले बयान दिये हैं, संत शिरोमणि तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर उन्होंने तथ्यहीन, घटिया, सिद्धान्तहीन एवं हास्यास्पद टिप्पणी करके धर्म-विशेष की आस्था को आहत करते हुए विवाद को जन्म दिया है। हालांकि सपा ने मौर्य की इस टिप्पणी से खुद को यह कहते हुए अलग कर लिया है कि यह उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी थी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि देश के प्रमुख राजनेता ने सच्चाई को जानते हुए जानबूझकर भड़काऊ एवं उन्मादी बयानों से देश की मिली-जुली संस्कृति को झुलसाने का काम किया है। मौर्य के ऐसे हिंसक एवं उन्मादी विचारों को क्या हिन्दू हाथ पर हाथ धरे देखते रहेंगे? क्यों ऐसे बयानों से देश की एकता एवं सर्वधर्म संस्कृति को तोड़ने की कुचेष्ठाएं की जाती हैं? रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर कृति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं। आखिर बहुसंख्य हिन्दू समाज कब तक सहिष्णु बन ऐसे हमलों को सहता रहेगा? कब तक ह्यसर्वधर्म समभावह्न के नाम पर बहुसंख्य समाज ऐसे अपमान के घूंट पीता रहेगा? राजनीतिक दलों में एक वर्ग-विशेष के प्रति बढ़ते धार्मिक उन्माद पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि अभी यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके भयंकर परिणाम हो

सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। रामचरितमानस हिन्दू धर्म के अनुयायियों का सर्वोच्च आस्था ग्रंथ है। करोड़ों लोग इस ग्रंथ का हर दिन स्वाध्याय करते हैं। मौर्य ने इस ग्रंथ को लेकर सरकार से दुर्भाग्यपूर्ण एवं हास्यास्पद यह मांग कर दी है कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना को ही पाबंद कर दिया जाये। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। भले ही यह विवाद बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से शुरू हुआ कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी। इसके पक्ष-विपक्ष में लंबी-चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं। लेकिन सैंकड़ों वर्षों से घर-घर में मन्दिर की भांति पूजनीय यह कोरा ग्रंथ नहीं है बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूल्यों की पाठशाला है। रामचरितमानस में भले रामकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीराम के चरित्र के माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। रामचरितमानस भारतीय संस्कृति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपितु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान्‍ ग्रन्थ भी है। यह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है। रामचरित मानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। मानस कोई पुस्तक नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र निर्माण का विश्वविद्यालय है और लोगों के कार्य व्यवहार में इसे स्पष्टता से देखा जा सकता है। यह मानने की बात नहीं कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने जीवन में मानस की चौपाइयों और दोहों का पाठ न किया हो। इसलिए कहा जा सकता है कि राजनीति में इस समय हाशिये पर चल रहे मौर्य ने चर्चा में रहने के लिए एक बेवजह का विवाद खड़ा किया है। राजनीतिक लाभ के लिए जनभावनाओं का अपमान एवं तिरस्कार करना किसी भी कोण से उचित नहीं। इसीलिए मौर्य का प्रबल विरोध भी हो रहा है। उनकी पार्टी के ही लोग उनके विचारों से सहमत नहीं हैं। भारतीय राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुड़े राजनेता अक्सर विवादित बयानों से अपनी राजनीति चमकाने की कुचेष्टा करते रहे हैं। लेकिन समझदार एवं अनुभवी राजनेता धार्मिक आस्थाओं पर चोट करने से बचते रहे हैं। मौर्य ने रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी कर न सिर्फ अपनी अपरिपक्व राजनीतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। बल्कि अपने सनातन संस्कारों को भी तिरस्कृत किया है। यह विडम्बना है कि राजनेता इस बात की कतई परवाह नहीं करते कि उनके शब्दों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

> भारतीय राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुड़े राजनेता अक्सर विवादित बयानों से अपनी राजनीति चमकाने की कुचेष्टा करते रहे हैं। लेकिन समझदार एवं अनुभवी राजनेता धार्मिक आस्थाओं पर चोट करने से बचते रहे हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखा बदलते भारत का नया अंदाज

सरकार के मनचाहे जायज एवं नाजायज निर्णयों पर अंकुश स्वस्थ एवं पाददर्शी शासन एवं प्रशासन की अपेक्षा है। नियंत्रण एवं अनुशासन की इन्हीं अपेक्षित स्थितियों को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार विवाद खड़े करती है।

राष्ट्रीय गौरव के अवसर गणतंत्र दिवस पर गणतंत्र दिवस परेड भारत की ताकत को पूरी दुनिया के सामने रखने का एक बड़ा अवसर होता है और इस बार परेड में पूरी दुनिया ने कर्त्तव्य पथ पर भारत की लगातार बढ़ती ताकत को देखा। गणतंत्र दिवस परेड में आयोजित किए गए रंगारंग कार्यक्रमों के अलावा देश की संस्कृति और परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए निकाली गई झांकियों तथा पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाने के लिए तीनों सेनाओं के जवानों द्वारा किए गए अनोखे करतबों ने हर किसी का मोह लिया। सही मायनों में इस वर्ष परेड में कर्त्तव्य पथ पर देश की सांस्कृतिक विरासत और सैन्य शक्ति की झलक स्पष्ट दिखाई दी। हालांकि इस वर्ष भी परेड के दौरान होने वाले आयोजनों में कुछ बदलाव किए गए थे। देश की आजादी के बाद लगातार दूसरी बार ऐसा हुआ, जब परेड 10 बजे के निर्धारित समय के बजाय आधे घंटे देरी से शुरू हुई। गणतंत्र दिवस परेड में पहले जहां सवा लाख लोग परेड देखने पहुंचते थे, वहीं इस बार दर्शकों की संख्या काफी कम कर दी गई थी और साथ ही वीआईपी आमंत्रण पास की संख्या में भी भारी कटौती की गई थी। हालांकि कोविड काल में केवल 25 हजार लोगों को ही आमंत्रित किया गया था लेकिन इस बार कर्त्तव्य पथ पर भव्य गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए 45 हजार दर्शकों की ही अनुमति थी। वीआईपी मेहमानों की संख्या भी 12 हजार तक सीमित कर दी गई थी।

परेड में सेना की मार्चिंग टुकड़ियों से लेकर टैंक, तोप और बैंड के अलावा वायुसेना के फ्लाईपास्ट ने इस आकर्षण में चार चांद लगा दिए। कई विमानों के फ्लाईपास्ट के दौरान भारत के लड़ाकू विमानों का शौर्य पूरी दुनिया को देखने को मिला। कर्त्तव्य पथ पर देश की प्रगति और संस्कृति को दशार्ती सांस्कृतिक झांकियां भी बदलते भारत के नए अंदाज और अहसास का अनुभव कराती नजर आई। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान इस बार तीनों सेनाओं के कुल 75 एयरक्राफ्ट ने कर्त्तव्य पथ पर अपनी ताकत दिखाई, जिनमें फ्रांस से आया राफेल भी सम्मिलित था। इन 50 एयरक्राफ्ट में वायुसेना के 45, नौसेना का 1 और थलसेना के 4 एयरक्राफ्ट शामिल थे, जिनमें 23 फाइटर जेट, 18 हेलीकॉप्टर, 8 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान के अलावा नौसेना का सबसे पुराना टोही विमान आईएल-38 भी था। गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार भारतीय वायुसेना की गरुड़ स्पेशल फोर्स ने भी हिस्सा लिया। कर्त्तव्य पथ पर डेयरडेविल्स ने तो अपने हैरतअंगेज प्रदर्शनों से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाइक पर डेयरडेविल्स ने कमाल के स्टंट दिखाए और इस दौरान वे बाइक पर योग की मुद्राएं करते भी दिखाई दिए। गणतंत्र दिवस परेड ने इस बार देश की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विविधता के अनूठे मिश्रण के साथ भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं, नारी शक्ति और ह्यन्यू इंडियाह्न के उद्भव का विलक्षण प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस बार कर्त्तव्य पथ पर बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। पहले जहां गणतंत्र दिवस समारोह में ब्रिटिश 25 पाउंडर गन से 21 तोपों से सलामी दी जाती थी, वहीं इस वर्ष पहली बार 21 तोपों की सलामी 105 एमएम की भारतीय फील्ड गन से दी गई। यह नया बदलाव रक्षा क्षेत्र में बढ़ती भारतीय आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करता है। दरअसल राष्ट्रगान के पूरे 52 सैकेंड के समय को कवर करने के लिए प्रत्येक 2.25 सैकेंड पर तीन राउंड में सात तोपें दागी जाती हैं, इसे ही 21 तोपों की सलामी कहा जाता है। 21 तोपों की सलामी हमारे राष्ट्रपति तथा अतिथि राष्ट्राध्यक्षों को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है। परेड के दौरान भारतीय सेना द्वारा अपने अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें तीन अर्जुन-मार्क वन टैंक, एक नाग मिसाइल सिस्टम, के9 वज्र-टी स्वचालित गन सिस्टम, दो बीएमपी, एक ब्रह्मोस मिसाइल, दो 10 मीटर के शॉर्ट स्पैन ब्रिज, एक मोबाइल माइक्रोवेव नोड और मोबाइल नेटवर्क सेंटर, दो आकाश मिसाइल सिस्टम इत्यादि शामिल थे। परेड के दौरान राफेल और सुखोई सहित वायुसेना के लड़ाकू विमानों के आकाशीय करतबों के साथ कर्त्तव्य पथ के आसमान पर आईएल-38 पहली और आखिरी बार अपना जौहर दिखाया, जिसे इस वर्ष के आखिर में रिटायर कर दिया जाएगा। यह विमान नौसेना में अपनी 42 वर्ष की सेवा में पहली बार कर्त्तव्य पथ पर उड़ान भरता दिखाई दिया। यह एक टोही विमान है, जो पिछले 42 वर्षों से समुद्र में दुश्मन के हर मूवमेंट की जानकारी देने के साथ राहत कार्यों को भी बेहतर तरीके से अंजाम देता आया है। गणतंत्र दिवस परेड का शो स्टॉपर दुनिया का सबसे ताकतवर लड़ाकू विमान राफेल रहा, जो कि परेड के आखिर में उड़ान भरते हुए मंच के सामने से वर्टिकल चार्ली ड्रिल को अंजाम देता नजर आया। वायुसेना के फ्लाईपास्ट में अलग-अलग फाइटर प्लेन करतब दिखाते हुए हर बार अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान भरते हैं और हर फॉर्मेशन का एक अलग नाम होता है। इस बार अलग-अलग फॉर्मेशन में कुल 9 राफेल विमानों ने परेड में हिस्सा लिया और हमेशा की तरह फ्लाईपास्ट को दो हिस्सों में बांटा गया। पहले भाग में ह्यप्रचंडह्न ने विभिन्न संरचनाओं को प्रदर्शित किया, जिसके बाद विमान तिरंगा, ध्वज, रुद्र और बाज फार्मेशन में अपना प्रदर्शन दिखाया। उसके बाद तंगेल, वजरांग, गरुड़, नेत्रा, भीम, अमृत, त्रिशूल और विजय इत्यादि विभिन्न संरचनाओं को प्रदर्शित करते नजर आए। पहले हिस्से में ध्वज फॉर्मेशन में 4 एमआई-17 1वी/ वी5 हेलीकॉप्टरों ने भारतीय ध्वज और तीनों सेना के ध्वज लेकर सुप्रीम कमांडर के सामने से उड़ान भरते हुए उन्हें सैल्यूट किया। तत्पश्चात डायमंड फॉर्मेशन में उड़ान भरते हुए थलसेना के अटैक हेलीकॉप्टर ने डायस के सामने से उड़ान भरी और फिर 3 मिग-29 विमानों ने बाज विंग फॉर्मेशन में फ्लाई किया। दूसरे चरण के फ्लाई पास्ट की शुरूआत स्वदेशी लाइट कॉम्बेट हेलीकॉप्टर प्रचंड की अगुवाई में दो अपाचे और दो एएलएच मार्क 4 के एरो फॉर्मेशन में उड़ान भरते हुए हुई। उसके बाद सारंग फॉर्मेशन में 5 एएलएच सारंग हेलीकॉप्टर ट्राई कलर छोड़ते हुए कर्त्तव्य पथ के ऊपर से गुजरे। तंगेल फॉर्मेशन में विंटेज एयरक्राफ्ट डकोटा और 2 डोर्नियर विमान, वजरांग फॉर्मेशन में 1 सी-130 और 4 राफेल, गरुड़ फॉर्मेशन में नौसेना के आईएल-38 और 2 एएन 32, नेत्रा फॉर्मेशन में 1 अवाक्स और 4 राफेल, भीम फॉर्मेशन में 1 सी-17 और 2 सुखोई-30, अमृत फॉर्मेशन में 6 जगुआर ने उड़ान भरी। इसके बाद 3 सुखोई-30 त्रिशूल फॉर्मेशन बनाते हुए आसमान में गायब हो गए और फिर फ्लाईपास्ट के शो स्टॉपर राफेल द्वारा वर्टिकल चार्ली बनाते हुए परेड का समापन हुआ। कुल मिलाकर गणतंत्र दिवस समारोह में परेड के दौरान कर्त्तव्य पथ पर भारत की सैन्य ताकत के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक झलक भी दिखाई दी।

श्रीरामचरितमानस ग्रंथ हमारे आदर्श जीवन जीने का आधार हैः मुरलीधर सिन्हा

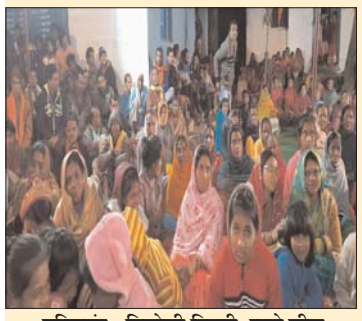

गरियाबंद, त्रिलोकी तिवारी ब्यूरो चीफ

गरियाबंद विकासखंड के सबसे बड़े ग्राम हरदी में तीन दिवसीय श्रीरामचरितमानस सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसके विराम दिवस में मार्केटिंग सोसायटी गरियाबंद अध्यक्ष मुरलीधर सिन्हा ने सम्बोधित करते हुऐ कहा की श्रीरामचरितमानस ग्रंथ हमारे आदर्श जीवन जीने का आधार है, उन्होंने मानस व धर्म प्रेमियों को कहा कि यह मनुष्य जन्म बहुत भाग्य से मिला है इसे धर्म और पुण्य कार्यों में लगाना चाहिए क्योंकि मनुष्य जन्म लेने के लिए भगवान भी तरसते हैं ऐसा सभी ग्रन्थों, संतो और देवताओं ने बताया है , श्री सिन्हा ने आगे कहा कि गाँव द्वारा यह भव्य आयोजन करने का तात्पर्य है कि हमें सत्संग से प्राप्त ज्ञान को समाज और परिवार में भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र को अपने जीवन में उतारना है । उक्त कार्यक्रम में पूर्व सरपंच व ग्राम सुरक्षा समिति अध्यक्ष निरंजन ठाकुर, पूर्व जनपद सदस्य शेषनारायण गजभिये, पंच लालजी साहू, संरक्षक रूपसिंह ठाकुर, पवन सिंह, अध्यक्ष लेखराम साहू, उपाध्यक्ष हेमसिंह ठाकुर, सचिव संतोष यादव, सहसचिव हेमन्त ठाकुर, बिसेलाल साहू, संयोजक नूतन यादव, डागेश्वर साहू, रेखराम साहू, ढालसिंह साहू, फागुराम साहू सहित बड़ी संख्या में मानस प्रेमी उपस्थित थे, कार्यक्रम के पुरोहित पण्डित डागेश्वर प्रसाद दुबे और उदघोषक सुरेन्द्र पटेल देवडोंगर कांकेर थे ।

भूपेश से राहुल पूछें कि किसान टमाटर क्यों फेंक रहे हैं- देवलाल

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने छत्तीसगढ़ में किसानों द्वारा टमाटर फेंकने, टमाटर की फसल के भरे खेत जोतकर दूसरी फसल बोने की स्थिति के लिए भूपेश बघेल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि राहुल गांधी को भूपेश बघेल से पूछना चाहिए कि जब छत्तीसगढ़ के हर ब्लॉक में फूड प्रोसेसिंग प्लाण्ट स्थापित कर दिए हैं तो यहां के किसान अपनी लागत और मेहनत से उगाए टमाटर बेचने की बजाय फेंक क्यों रहे हैं?प्रदेश भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने फूड प्रोसेसिंग प्लांट के नाम पर किसानों से झूठ बोला। यदि घोषणा के मुताबिक हर ब्लॉक की बजाय हर जिले में भी ये

प्लांट लग गए होते तो टमाटर उत्पादक किसानों को अपनी उपज इस तरह नहीं फेंकना पड़ती। किसान को पूरी लागत तो दूर की बात टमाटर तोड़ने की मजदूरी तक नसीब नहीं हो रही। टमाटर उपजाने वाले किसान बर्बाद हो गए हैं।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि भूपेश बघेल के संरक्षक राहुल गांधी दूसरे प्रदेशों में जाकर बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट में टमाटर से केचअप बनता है। वे अमेठी में कहते हैं कि उनका सपना छत्तीसगढ़ में पूरा हुआ है। हर जिले में फूड प्रोसेसिंग प्लांट हैं। जबकि हकीकत यह है कि न तो प्रोसेसिंग प्लांट हैं और न ही यहां टमाटर का कोई खरीदार है। किसानों की दुश्मन सरकार ने किसानों को खुदकुशी करने मजबूर कर रखा है। राहुल गांधी और यहां के कांग्रेस नेता शर्म से कहीं चुल्लू भर पानी तलाश कर डूब जाएं।

अखिल भारतीय गोड़ (अमात) समाज केन्द्रीय अध्यक्ष ओंकार शाह की उपस्थिति में नियमावली पुस्तक का किया गया विमोचन

त्रिलोकी तिवारी ब्यूरो चीफ, गरियाबंद

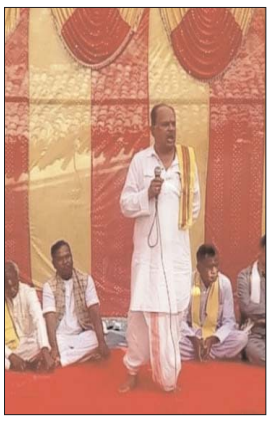

मैनपुर ङ्क अखिल भारतीय आदिवासी गोंड (अमात) समाज केन्द्रीय समिति बिन्द्रानवागड़ के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यो की एक भव्य बैठक आज रविवार को ग्राम धवलपुर में आयोजित किया गया इस बैठक का शुभारंभ ईष्टदेव बुढादेव की पुजा अर्चना कर किया गया। इस दौरान नियमावली पुस्तक का विमोचन किया गया साथ ही समाज के विभिन्न विषयो पर विस्तार से चर्चा समाज प्रमुखो द्वारा आने वाले दिनों में अखिल भारतीय गोड़ (अमात) समाज द्वारा सामाजिक सम्मेलन को लेकर भी चर्चा किया गया। बैठक में शामिल होने विशेष रूप से अखिल भारतीय अमात गोंड समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष एंव पूर्व विधायक ओंकार शाह पहुचे तो समाज जनों ने परम्परा अनुसार पीला चांवल एंव माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया।

ग्राम पंचायत जंगल धवलपुर में श्री मद भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान का किया जा रहा आयोजन

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद सोमवार को भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ मे यशवंत कुमार यादव पहुँचकर क्षेत्र की सुख समृद्धी की कामना की। हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी समस्त ग्रामवासियो ग्राम पंचायत जंगल धवलपुर तह जिला गरियाबंद मे श्री मद भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है कथा वाचक पं श्याम प्रसाद मिश्रा(धवलपुर) परायणकर्ता पं रेवा प्रसाद मिश्रा मानस पाठकर्ता सुरज गीरी गोस्वामी जी है आज सोमवार समुद्र मंथन वामन अवतार सूर्यवंशी कथा का बहुत ही सुंदर झांकी दिखाई गई आज पंचम दिवस मे युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधान सभा महासचिव यशवंत कुमार यादव राजीव गांधी युवा मितान क्लब अध्यक्ष मोहदा शिवचरण दीवान युवा कांग्रेस कार्यकर्तृता विष्णु नेताम ने भागवत महापुराण मे पहुँचकर पूजा अर्चना कर भगवान से क्षेत्र की सुख समृद्धी की कामना किया। आयोजनक समिति संरक्षक कन्हैयालाल ठाकुर धरमसिह धनीराम बुधराम चरण बिसरराम उमेरसिह अगनुराम अध्यक्ष नैनसिह नागेश उपाध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा सचिव झुमुक बघेल सह सचिव गौतम कुमार नेताम कोषाध्यक्ष अनिल कुमार यदु ग्राम झाखर सीताराम पुजारी आत्माराम नेताम ग्राम प्रमुख मधुसिह नेताम बुधराम नेताम चरण नेताम धरम नेताम नथन यादव हेमलाल यादव श्यामप्रसाद नेताम रायसिह नेताम डोमार सिह नेताम लोकेश ठाकुर अभिराम नेताम चैन सिह बुधराम सोनसिह खेलन बघेल हरि यादव पुनीत यादव दयालू यादव कुशल विश्वकर्मा राय सिह बघेल भागवत भजन सुनने के लिए ग्रामवासीयो क्षेत्र वासीयो बडी संख्या मे पहुँचकर राम नाम के डुबकी लगा रहे है और आयोजक समिति एव श्राद्धालुओ के द्वारा हर दिन महाप्रसादी भंडारा रखा गया है पूर्व विधायक ओंकार शाह ने समाज की एकता, भाईचारा पर जोर देते हुए आदिवासी समाज के लोगों को संगठित रहने का आह्वान किया

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिलाओं को एक और उपहारः शालिनी राजपूतकैंसर की मुफ्त वैक्सीन के लिए चुनिंदा राज्यो में मोदी जी ने छत्तीसगढ को चुना

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिलाओं के लिए केंद्र सरकार द्वारा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन मुफ्त में उपलब्ध कराने से प्रदेश की महिलाओं के लिए बहुत बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से हर वर्ष कई लोगों की मौत हो जाती है। सर्वाइकल कैंसर भारत में दूसरा सबसे अधिक होने वाला कैंसर रोग है जो महिलाओं को अपने चपेट में ले लेता है और कम उम्र में ही सर्वाइकल कैंसर से ग्रसित महिला की मौत हो जाती है। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को होने वाले इस कैंसर को रोकने के लिए अब भारत के कई राज्यों में सर्वाइकल कैंसर का वैक्सीन बनाकर मुफ्त में महिलाओं को लगाने की योजना बनाई गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन अप्रैल माह से 9 वर्ष से लेकर 14 वर्ष तक की बच्चियों को लगने की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में भी यह वैक्सीन मुफ्त में उपलब्ध कराई गई है। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर का वैक्सीन पहले बाजारों से खरीद कर प्राइवेट अस्पतालों में ड़3000 लेकर लगाया जाता है लेकिन अब यह वैक्सीन छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिलाओं एवं बच्चियों को मुफ्त में लगने से सर्वाइकल कैंसर पर नियंत्रण पाया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश के चुनिंदा राज्यों में छत्तीसगढ़ को भी शामिल कर लिया है इसके लिए राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी भी शुरू कर दी है इस वैक्सीन से महिलाओं को जानलेवा सर्वाइकल कैंसर से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए बहुत बड़ी सौगात है और इसका लाभ प्रदेश की महिलाओं को मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को छत्तीसगढ़ प्रदेश को वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए आभार माना है।

छत्तीसगढ प्रदेश के शोध एंव नीति सह प्रभारी बनें चवनलाल बघेल

संवाददाता हेमचंद नागेश

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव एंव प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति से नवीन मारकण्डेय प्रदेश अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा छत्तीसगढ द्वारा प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की गई जिसमें गरियाबंद क्षेत्र से भी चवनलाल बघेल पूर्व सांसद प्रतिनिधि , पूर्व अजामो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और जिलाध्यक्ष, पूर्व मण्डल अध्यक्ष देवभोग एंव गांडा समाज प्रखर प्रवक्ता तथा पूर्व जिला सह सचिव गांडा समाज गरियाबंद और पूर्व पंचायत वैकल्पिक शिक्षक संघ अध्यक्ष चवनलाल बघेल को उनकी प्रशंसनीय

राजनीति कार्यक्षमता , सराहनीय प्रदर्शन क्षमता , अनुभवी मीडिया दृष्टिकोण केआधार पर व उनकी सक्रियता को देखते हुए मोर्चा ने चवनलाल बघेल को बडी जिम्मेदारी दायित्व शोध एंव नीति प्रदेश सह प्रभारी बनाया गया है । चवनलाल बघेल को प्रदेश मोर्चा में जिम्मेदारी दायित्व मिलने पर महासमुंद लोकसभा सांसद चुन्नी लाल साहू एवं पूर्व सांसद चंदू लाल साहू विधायक डमरूधर पुजारी पूर्व विधायक गोवर्धन सिंह मांझी संसदीय सचिव पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय तथा जिलाध्यक्ष राजेश साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार साहू, भागीरथी मांझी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्वेता शर्मा , नगर पालिका गरियाबंद के अध्यक्ष गफ्फू मेमन,मुरलीधर सिन्हा,पुनीत राम सिन्हा, सुधीर भाई पटेल, कुंजबिहारी बेहरा , डॉ पदुलोचन जगत, भुवन लाल बघेल, खगेश्वर नेताम , जयद्रथ बेसरा, वेदराम नंदे , रोशन टांडिलय , सुरेश कुमार कश्यप, भगवानो बेहरा, जितेन्द्र मांझी, सन्त मांझी, तिरेश प्रधान, चैनसिंह कश्यप, प्रकाश कश्यप, मनोहर बघेल, विसेशवर सिक्का, चंवर साय , थनवर पांडे विजय भारती आदि इत्यादि भाजपा कार्यकर्ताओं ने चवनलाल बघेल को बधाई प्रेषित की है तथा साथ में उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है ।

अखिल भारतीय गोड़ (अमात) समाज केन्द्रीय अध्यक्ष ओंकार शाह की उपस्थिति में नियमावली पुस्तक का किया गया विमोचन

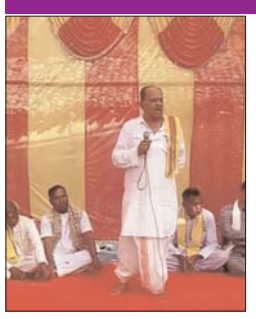

मैनपुर ङ्क अखिल भारतीय आदिवासी गोंड (अमात) समाज केन्द्रीय समिति बिन्द्रानवागड़ के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यो की एक भव्य बैठक आज रविवार को ग्राम धवलपुर में आयोजित किया गया इस बैठक का शुभारंभ ईष्टदेव बुढादेव की पुजा अर्चना कर किया गया। इस दौरान नियमावली पुस्तक का विमोचन किया गया साथ ही समाज के विभिन्न विषयो पर विस्तार से चर्चा समाज प्रमुखो द्वारा आने वाले दिनों में अखिल भारतीय गोड़ (अमात) समाज द्वारा सामाजिक सम्मेलन को लेकर भी चर्चा किया गया। बैठक में शामिल होने विशेष रूप से अखिल भारतीय अमात गोंड समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष एंव पूर्व विधायक ओंकार शाह पहुचे तो समाज जनों ने परम्परा अनुसार पीला चांवल एंव माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय गोड़ (अमात) समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष ओंकार शाह ने कहा कि समाज के परम्परा अनुसार सभी कार्यक्रमों को किया जाना है समाज में मजबुती लाने के लिए समय -समय पर बैठक व सम्मेलन कार्यक्रम होना चाहिए इस तरह के सामाजिक आयोजन करने से समाज में एकता और भाईचारा बना रहता है, समाज के लोग एक जगह एकत्र होकर समाज के विकास और समाज के उत्थान के बारे में विचार विमर्श करते है, उन्होने आगे कहा कि आदिवासी समाज के विकास और उत्थान के लिए समाज के लोगो को संगठित होने की जरूरत है। इस मौके पर प्रमुख रूप से संरक्षक हेमसिंह नेगी, उपाध्यक्ष खेदू नेगी, टीकम कपील, महेन्द्र नेताम, सचिव भागसिंह कोमर्रा, अवधराम मरकाम, दयाराम नागेश, सदाराम ध्रुवा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश्वरी नेताम, कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष विश्राम नागेश, लोकेन्द्र कोमर्रा, चंद्रकुमार नागेश, तीरसिंह, रामसिंह नागेश, परसराम सोरी, तुकेश्वर नेताम, यशवंत सोरी, जबर सिंह नागेश, रामचन्द्र नागेश, छबीलाल दीवान, अवध मरकाम, जन्मजय नेताम, भोजलाल नेताम, अमृत नागेश, प्रताप मरकाम, बुधराम मरकाम, गुजरात कमलेश, कन्हैया ठाकुर, खामसिंह नेताम, श्रवण दीवान, रामसिंह नागेश, उरे सिंह नेताम, लालसिंह नागेश, हेमबाई नेताम, रामबाई नेताम, हीरोबाई नेताम, जगतीन बाई नागेश, लीला बाई कपील, सियाराम नागेश, प्रेम जगत, चन्द्रकिशोर नागेश, जगदीश ठाकुर, गणेश ठाकुर, तीजुराम नेताम, चैनसिंह नेताम, घांसीराम, नेमीचंद मरकाम, सोहन ठाकुर, गजेन्द्र ठाकुर, रामप्रसाद शांडिल्य, शत्रुघन कुंजाम, मोहन लाल, खगेश दाउ, एन एस दाउ, महेश कुमार, रामभरोसा, हितेश्वर नागेश, शिवकुमार नागेश, श्यामलाल नेताम, कमलेश नागेश, मेहत्तर सिंह, मधुराम नागेश, पवन सिंह मांझी, हदरूराम नेताम, मन्नूराम नेताम, परसराम ठाकुर, कुलेश्वर दाउ, नीलसिंह मरकाम, खेलन दीवान, गणेश राम, जोगेन्द्र सिंह ठाकुर, उदेराम, हेमचंद मरकाम, खेलराम, सत्याबाई, दशोदा मरकाम, लीलाबाई, दुर्गाबाई, अग्नीबाई, कौशिल्या बाई सहित बडी संख्या में अमात गोंड समाज के लोग उपस्थित थे।

छ.ग.राज्य के वनांचल में बसे गरियाबंद जिला के अंतिम छोर तहसील साहू संघ देवभोग के तत्वाधान में आयोजित तेलीन माता राजिम जयंती समारोह एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारी गणों का शपथग्रहण समारोह में प्रदेश साहू सघ ,जिला साहू संघ गरियाबंद के पदाधिकारी हुए शामिल

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग।देवभोग विकासखंड ग्राम मुंगझर मे रविवार को देवभोग तहसील साहू संघ द्वारा राजिम जयंती का भव्य आयोजन किया गया ! उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि चुन्नीलाल साहू सांसद महासमुन्द लोकसभा, चंदुलाल साहू पुर्व सांसद रहे अध्यक्षता टहल साहू प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रुप में डमरुधर पुजारी विधायक मान.डॉ.पंचराम साहू कार्यकारी अध्यक्ष आनंद राम साहू संयोजक न्याय प्रकोष्ठ दयाराम साहू महामंत्री छ.ग.मालक राम साहू उपाध्यक्ष छ.ग ,नारायण साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ गरियाबंद कुंजन लाल साहू जी,श्रीमती मिलेश्लरी साहू उपाध्यक्ष ,नेहरू साहू महासचिव जिला साहू संघ गरियाबंद ,श्रीमती पुष्पा साहू संयोजिका महिला प्रकोष्ठ,घनश्याम साहू कोषाध्यक्ष अशोक बजरंग साहू,अनुशासन साहू संयोजक युवा प्रकोष्ठ,राम जी साहू नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष राजीम,प्रवीण साहू महामंत्री युवा प्रकोष्ठ,संजु साहू उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ ,तिलेश साहू कोषाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ,अंजोर साहू कार्यालय प्रभारी कमलनारायण साहू विधि प्रकोष्ठ संयोजक ,नारायण साहू भसेरा परि.अध्यक्ष देव चरण साहू तहसील अध्यक्ष मैनपुर रहे अतिथि आगमन पश्चात सर्वप्रथम माता राजिम की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर महाआरती कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया तथा सभी अतिथि समाज प्रमुखों का सम्मान आयोजक समिति द्वारा पगडी रस्म एवं पुष्प माल से स्वागत किया गया सभा को संबोधित करते हुए सांसद चुन्नीलाल साहू जी ने कहा कि साहू समाज बहुत ही संगठित तथा हर क्षेत्र में अग्रिम भुमिका निभाने वाली समाज है प्रदेशाध्यक्ष टहल साहू द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि साहू समाज में व्याप्त कुछ कुरतियों को हमें बंद करना होगा जैसे कि आज भी हमें देखने सुनने को मिलता है कि हमारे माता बहन असमय विधवा हो जाते है जिसका सुहाग उतारने का कार्यक्रम तालाब में किया जाता है जिसे हमें सुधार करते हुए चुडी उतारने का रिवाज घर में ही करें तथा ऐसे माताओं बहनों को हर मांगलिक कार्यक्रम मे सहभागिता प्रदान करें हमें यह भी देखने को मिलता है कि जो विधवा माता बहन अपने कोख में 9 महिना रखकर जिस बेटा या बेटी को जन्म देकर पाल पोंछ कर बड़ा करती है उस विधवा माता बहन को अपने ही बेटा ,बेटी की मांगलिक कार्य मौर सौंपने की परम्परा से पृथक कर दिया जाता है ऐसे कुरीति को सुधार करने की महती जरूरत है नारायण साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ गरियाबंद द्वारा नवनिर्वाचित तहसील साहू संघ देवभोग के पदाधिकारी गणों को समाज द्वारा दी गई नवीन जिम्मेदारी पद की गोपनियता तथा मिले दायित्वों को निष्ठा एवं ईमानदारी पुर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई उक्त आयोजन में विशेष रुप से हरिराम साहू , डूमर लाल साहू ,दयाराम साहू रतनलाल साहू , संजय साहू ,अमृत साहू रमेश साहू, अभिषेक साहू ,अजय साहू,प्रदीप साहू, गेंद लाल साहू ,रामानुज साहू ,दिनेश साहू, दीनानाथ साहू, प्रकाश साहू ,गुलेश्वरी साहू ,अमिता साहू धनीता साहू रामस्वरुप साहू ,रामजी साहू ,हिमाद्री साहू , राम कुमार साहू,किशोर साहू,फुलसिंग साहू,नन्द किशोर साहू, दिजों राम साहू, कवि राम साहू, साहू ,मिलाप चंद साहू ,जोहर साहू,नोहर साहू,सोहन साहू, बृज लाल साहू,केशरी साहू ,वीर साहू,मनोज साहू गरिमा साहू ,धर्मेंद्र साहू,प्रमिला साहू,श्वेता साहू,चारागड़ झरिया साहू समाज के कुलपति सहित ग्राम के समाज प्रमुख इत्यादि सैकड़ों की संख्या में साहू समाज एवं सर्वसमाज के लोग उपस्थित रहेकार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती अदिति अनिल साहू शिक्षिका महिला प्रकोष्ठ जोन उपाध्यक्ष देवभोग तथा मुरारी साहू ने किया तथा आभार उद्बोधन रामेश्वर साहू पूर्व तहसील अध्यक्ष देवभोग ने किया

पिछोर नगर में गौरव दिवस के अवसर पर भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन छत्रसाल स्टेडियम में किया गया

राकेश परिहार रिपोटर पिछोर

जिला शिवपुरी की पिछोर में नगर गौरव दिवस के अवसर पर भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन छत्रसाल स्टेडियम पिछोर में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विधायक पिछोर पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री के पी सिंह कक्काजू, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती कविता विकास पाठक , उपाध्यक्ष श्री सौरभ गुप्ता सीएमओ राघवेंद्र पालिया उपस्थित रहे जिसमें भजन व देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें झांसी से आया हुआ ऑर्केस्ट्रा स्वर सरगम ने आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें पुर के सहायक निरीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ने भक्ति गीत भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान पिछोर थाना टीआई गब्बर सिंह गुर्जर व उनके स्टाफ द्वारा शांति पूर्वक कार्यक्रम संपन्न कराने में मुख्य योगदान दिया।

मोदी के साथ मन की बात ने रचा छत्तीसगढ़ में नया इतिहास

मन की बात प्रधान सेवक और जनता जनार्दन के मध्य सीधे संवाद का माध्यम- अरुण साव

विश्व की सबसे बड़ी चौपाल है मन की बात -डॉ. रमन

मन की बात से बदले देश के हालात- नारायण चंदेल

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी के सौजन्य से छत्तीसगढ़ के 18500 स्थानों पर भाजपा के दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आम जनता ने उत्साह पूर्वक गंभीरता से सुना। मोदी जी ने पद्म पुरस्कारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिन लोगों को पद्म पुरस्कार मिले हैं, वे सभी हमारे बीच के आम लोग हैं, जो राष्ट्र प्रथम की सोच के साथ समाज उत्थान और देश के विकास में उत्तम भागीदारी कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में काम करने वालों को भी पद्म पुरस्कार मिले हैं। छत्तीसगढ़ के कांकेर जैसे नक्सल प्रभावित इलाके में काष्ठ कला के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहे अजय मंडावी को पद्म पुरस्कार के लिए चुना गया। संगीत के क्षेत्र में उन विभूतियों को पद्म पुरस्कार से विभूषित किया गया, जो भारतीय वाद्य यंत्रों से भारतीय कला संस्कृति की साधना कर रहे हैं। देश के विभिन्न प्रांतों के जनजातीय समाज सहित विभिन्न समुदायों के राष्ट्र सेवियों, समाजसेवियों को पद्म पुरस्कार मिलने से देश के लोग प्रसन्न हैं। गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ निर्माण के श्रमिकों को अग्रिम पंक्ति में बैठा देख देश भर से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुझे पत्र भेजे गए हैं।

मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक जगदीश रोहरा ने बताया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने आज्ञा नगर विधानसभा बिलासपुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रेवाडीह वार्ड राजनांदगांव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर, राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडे ने

दुर्ग शहर, पूर्वमंत्री रामविचार नेताम ने प्रतापपुर विधानसभा, प्रदेश भाजपा मुख्य प्रवक्ता पूर्वमंत्री अजय चंद्राकर ने रायपुर शहर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेण्डी ने दुर्गकोंदल, चुन्नीलाल साहू ने देवभोग, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने भाटापारा, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर में मन की बात कार्यक्रम जनता के साथ सुना। मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायगढ़ के मिलेट सेंटर और छत्तीसगढ़ के संदीप शर्मा जी का भी जिक्र किया।

मोदी जी देश के मन की बात करते हैं- अरुण साव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने बिलासपुर में कार्यक्रम का प्रसारण सुनने के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि मन की बात कार्यक्रम देश के प्रधान सेवक और जनता जनार्दन के मध्य सीधा संवाद है। मोदी जी देश की बात करते हैं। देश की जनता के मन की बात सुनते हैं और जनता के मन को गहराई से महसूस करते हुए विस्तार से विविध विषयों पर चर्चा करते हैं। समूचे देश वासियों से निरंतर संवाद के माध्यम से प्रधान सेवक व जनता के बीच एकात्म स्थापित है।

विश्व की सबसे बड़ी चौपाल है मन की बात -डॉ. रमन भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव में आम जनता के साथ मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम जनता के बीच के हैं। देश के 130 करोड़ लोग मोदी जी का परिवार है। वे इस परिवार के मुखिया हैं। जब वे मन की बात कार्यक्रम में अपने विशाल परिवार से रूबरू होते हैं तो हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े मुद्दे पर अपनेपन के साथ विमर्श होता है, जैसा कि भारतीय संस्कृति में हर परिवार में होता है। हर मुद्दे का समाधान होता है और परिवार के विकास के द्वार खुलते हैं। मन की बात कार्यक्रम जनता के साथ जनता की बात का वह मंच है जो भारत ही नहीं, विश्व की सबसे बड़ी चौपाल है।

मन की बात से बदले देश के हालात-चंदेल नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर में मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जनता से सीधा जुड़ाव है। मोदी जी जनता से लगातार संवाद करते हैं। जनता से विभिन्न क्षेत्रों में ठोस फीडबैक मिलता है। जनता खुले मन से अपनी बात प्रधानमंत्री से कहती है और प्रधानमंत्री जन भावनाओं के अनुरूप राष्ट्र विकास के फैसले लेते हैं। मन की बात सुनकर मोदी जी और देशवासियों के बीच जो समन्वय स्थापित हुआ है और इसमें जो निरंतर विस्तार हो रहा है, उससे देश के हालात बदले हैं क्योंकि देश एक सूत्र में बंधा है। मन की बात भारत की प्रगति में बड़ा साधन बना ह

दार्जिलिंग घूमने का प्लान बना रहे हैं तो नेशनल सेन्शेल पार्क जाना ना भूलें

यूनेस्को ने नीलगिरि माउंटेन ट्रेन को विश्व धरोहर के रूप में 2005 में मान्यता दी और तभी से इन्हें भारत की पर्वतीय रेल के नाम से जाना जाता है। नीलगिरि माउंटेन ट्रेन सलेम मंडल के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसे नीलगिरि पैसेंजर भी कहा जाता है।

दार्जिलिंग अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए मशहूर है यह तो हम सभी जानते है। दार्जिलिंग के हरे-भरे चाय के बागान, खूबसूरत प्राकृतिक नजारों और धीमी रफ्तार से चलती हुयी टॉय ट्रेन के लिए मशहूर है। दार्जिलिंग अंग्रेजों का पसंदीदा स्थान था। दार्जिलिंग का ठण्?डा वातावरण तथा बर्फबारी अंग्रेजों के मुफीद थी। दार्जिलिंग पहाड़ की चोटी पर बसा हुआ एक बहुत ही खूबसूरत शहर है। सेन्शेल वन्य जीव अभ्यारण बहुत कम लोग जानते है यहां आजादी से पहले स्थापित नेशनल पार्क भी है। वैसे तो दार्जिलिंग में बहुत से पार्क है। लेकिन इस नेशनल पार्क की बात ही कुछ और है, जी हाँ हम बात कर रहे है सेन्शेल वन्य जीव अभ्यारण की। यह यहां का सबसे पुराना पार्क कहा जाता है। यह पार्क दार्जिलिंग के नारंगी घाटी में स्थित सितोंग नाम के एक छोटे से गांव में स्थित है। यह अभ्यारण लगभग 39 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें कई प्रकार की वनस्पतियाँ पायी जाती है। इस अभ्यारण में ओक, धूपी, कापूसी और कावळा के पेड़ है। दुर्लभ वन्य जीव इस अभ्यारण में एक खूबसूरत झील भी मौजूद है जो इस पार्क की सुंदरता को और बढ़ाती है। यहां आप हिमालयी भालू के भी दर्शन कर सकते हैं इसके साथ ही कई दुर्लभ हिमालयी प्रजातियां जैसे हिमालयी सियार, हिमालयी उड़ने वाली गिलहरी के लिए भी मशहूर है। इसके साथ ही आपको जंगली बिल्ली और भारतीय तेंदुए के भी दर्शन हो सकते हैं। ओंक के विशाल पेड़ों के साथ ही आप बहुत सारे हिमालयी पक्षियों को भी देख सकते हैं जो कि यह के प्राकृतिक नजारों को और खूबसूरत बना देते हैं। कंचनजंगा की पहाड़ियां तो इस अभ्यारण की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। अगर आप वेकेशन के लिए कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं तो दार्जिलिंग का यह अभ्यारण आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। कब जायें मार्च से जून सबसे अच्छा समय है क्योंकि जब भारत के अन्य राज्यों में भारी गर्मी पड़ रही होती है तब यहां का तापमान 14 से 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। बर्फ प्रेमियों के लिए जनवरी सबसे अच्छा समय है। वैसे तो आप अक्टूबर-नवम्बर में भी दार्जिलिंग घूमने का प्लान बना सकते हैं। दार्जिलिंग घूमने में खर्च दार्जिलिंग की ट्रिप आप कम पैसों में भी कर सकते हैं। यहां आपको 1500 में होटल मिल जायेगा। आप 5000-10000 में आराम से दार्जिलिंग की सैर कर सकते हैं।

प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेना है तो जरूर जाएं दादरा और नागर हवेली

दादरा और नागर हवेली उत्तर-पश्चिम और पूर्व में गुजरात के वलसाड जिले से और दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में महाराष्ट्र के ठाणे और नाशिक जिले से घिरा हुआ है। दादरा और नागर हवेली के ज्यादातर हिस्से पहाड़ी है। इसके पूर्वी दिशा में सहयाद्री पर्वत श्रृंखला भी है।

महाराष्ट्र और गुजरात के बीच में स्थित केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नागर हवेली को प्रकृति ने काफी खूबसूरती प्रदान की है। इतिहास में उल्लेख मिलता है कि इस प्रदेश पर 1779 तक मराठाओं का और फिर 1954 तक पुर्तगाली साम्राज्य का शासन रहा। दादरा और नागर हवेली का 11 अगस्त 1961 को भारत में विलय किया गया था तबसे हर साल 2 अगस्त को मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। मूलतः आदिवासी बहुल इस इलाके का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा वनों से घिरा है। इन वनों में विभिन्न प्रकार की वनस्पति है। इस इलाके की खासियत यह है कि समुद्री तट से निकटता के कारण यहां गर्मियों में तापमान ज्यादा ऊपर नहीं जाता। घने वन तथा अनुकूल जलवायु की वजह से इस इलाके में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। यहां पर्यटकों के ठहरने के लिए अनेक होटल्स और रिजॉर्ट्स हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां हर साल तारपा उत्सव, पतंग उत्सव और विश्व पर्यटन दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। दादरा नागर हवेली पर्यटन का केंद्र होने के साथ ही औद्योगिक केंद्र भी है। दादरा और नागर हवेली उत्तर-पश्चिम और पूर्व में गुजरात के वलसाड जिले से और दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में महाराष्ट्र के ठाणे और नाशिक जिले से घिरा हुआ है। दादरा और नागर हवेली के ज्यादातर हिस्से पहाड़ी है। इसके पूर्वी दिशा में सहयाद्री पर्वत श्रृंखला भी है। यहां दमनगंगा नदी पश्चिमी तट से निकल कर, दादरा और नागर हवेली को पार करते हुए दमन में अरब सागर से जा मिलती है। इसकी तीन सहायक नदियां- पीरी, वर्ना और सकतौंद भी प्रदेश की मुख्य जल स्रोत हैं। सिलवासा यहां की राजधानी है। यदि आप भी दादरा और नागर हवेली आना चाहते हैं तो यहां मई से अगस्त के बीच का समय छोड़कर कभी भी आएंगे तो यहां का मौसम अच्छा पाएंगे। बहुत से लोग तो यहां की बारिश का भी मजा लेने आते हैं। दादरा और नागर हवेली हवाई, रेल और सड़क मार्ग से पूरी तरह जुड़ा हुआ है इसलिए आप कहीं से भी यहां आसानी से पहुँच सकते हैं। यदि आप बजट ट्रैवल की सोच रहे हैं तो भी यहां आ सकते हैं क्योंकि यह इलाका कोई खास महंगा नहीं है।

इस तरीके से अपने फोन के खराब स्पीकर को घर पर ही कर सकते हैं सही

अगर आपके फोन के स्पीकर ने काम करना बंद कर दिया है, तो हम आज आपके साथ कुछ टिप्स साझा करने जा रहे हैं ताकि आप घर पर आराम करते समय इसे ठीक कर सकें। फोन से आने वाली आवाज अक्सर कम सुनाई देने लगती है। हमारी लापरवाही के कारण फोन के स्पीकर में जो गंदगी जमा हो गई है, वह इसका मुख्य कारण है। गंदगी जमा होने के कारण फोन का स्पीकर बंद हो जाता है और डिवाइस से कम आवाज निकलती है। जिन लोगों को यह अनुभव होता है वे सोचते हैं कि उनके फोन का स्पीकर टूट गया है और वे इसे ठीक करवाने या बदलने के लिए दुकान पर ले जाते हैं। जबकि घर पर रहकर अपने फोन के स्पीकर को साफ करना एक विकल्प है। आइए देखें कि कैसे।

पेशेवर मोबाइल सफाई किट होनी चाहिए

आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि आप घर पर अपने किसी भी उपकरण की मरम्मत करना चाहते हैं तो आपको एक मोबाइल क्लीनिंग किट की आवश्यकता होगी। आपको केवल एक बार पैसा निवेश करने की आवश्यकता है, और आप इसे हमेशा के लिए उपयोग कर सकते हैं।

स्पीकर को सॉफ्ट ब्रश से साफ करें

ब्रश का उपयोग करना घर पर अपने फोन के स्पीकर को साफ करने का एक तरीका है। यह सुनने में शायद आपको अजीब लगे, लेकिन यह सच है। ऐसा करने के लिए, एक सौम्य ब्रिसल वाला ब्रश लें और फोन के स्पीकर को साफ करने के लिए हल्के दबाव का उपयोग करें। धूल जमने के कारण फोन का स्पीकर बार-बार काम करना बंद कर देता है। ऐसे में इनकी सफाई कराई जाए।

संपीड़ित हवा मदद करेगी

स्पीकर ग्रिल को साफ करने के लिए कंप्रेस्ड एयर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए ऐसे एयर पंप का इस्तेमाल करें जो इंडस्ट्रियल स्ट्रेंथ न हो। यदि आप स्पीकर को संपीड़ित हवा से साफ करते हैं तो स्पीकर ग्रिल में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

चिपचिपा टेप काम करेगा

स्टिकी टेप इस कार्य के लिए एक बेहतरीन उपकरण है। स्टिकी टेप लगाने से आपके फोन का खराब स्पीकर साफ हो जाएगा। टेप की एक छोटी लंबाई का उपयोग करके स्पीकर पर चिपचिपी टेप की एक मजबूत परत लगाएँ। अगला, हटाएं। लेकिन ध्यान रहे कि टेप का ग्लू अंदर नहीं छूटना चाहिए।

साफ कपड़ा मदद करेगा

फोन के पोर्ट और स्पीकर को कभी-कभी ताजे सूती कपड़े से साफ करना चाहिए। नतीजतन, स्पीकर और पोर्ट साफ रहते हैं। हालाँकि, आपको सावधान रहना चाहिए कि कपड़े के बंदरगाहों में कोई लिंट न छोड़ें। बाजार में हर दिन ढेरों स्मार्टफोन पेश किए जाते हैं। हर दिन, हम फीचर अपग्रेड पर चर्चा करते हैं। हालाँकि, नया फोन प्राप्त करना हमेशा संभव नहीं होता है, इसलिए यदि आपके फोन का स्पीकर काम नहीं कर रहा है तो इसके कई कारण हो सकते हैं। लेकिन एक अन्य कारक यह हो सकता है कि आपका फोन मैल से ढका हो। कृपया हमें बताएं कि इसे कैसे साफ किया जाए।

अपने फोन के स्पीकर को कैसे ठीक करें

इसके लिए आप कई प्राकृतिक उपचार आजमा सकते हैं, जिनमें से किसी का भी आपको एक रुपया खर्च नहीं करना पड़ेगा। हम आपको अभी कुछ ऐसी सलाह देने जा रहे हैं जो इस प्रक्रिया के दौरान आपके काम आएगी।

कपास की कलियों का प्रयोग करें

इसके लिए आपको कॉटन बड्स की जरूरत पड़ेगी। स्पीकर के बाहरी हिस्से को साफ करने के लिए रुई के फाहे का प्रयोग करें। स्पीकर के छेद के चारों ओर धीरे-धीरे घुमाते हुए थोड़ा दबाव डालें। यदि ईयरबड्स बड़े हैं, तो उन्हें स्पीकर के खुलने के अंदर ले जाएँ। कृपया ध्यान रखें कि अत्यधिक दबाव आपके स्पीकर को नुकसान पहुंचा सकता है। रूबिन्स एल्कोहल को रूई के फाहे पर हल्के हाथों से लगाया जा सकता है।

आप डबल साइट टेप का उपयोग कर सकते हैं

आप एक छोटे से मैच के लिए दो तरफा टेप को ठीक से लगाकर ऐसा करते हैं। उसके बाद, आप इसका उपयोग अपने फोन के स्पीकर को साफ करने के लिए कर सकते हैं। ऐसा करने से स्पीकर की धूल टेप के ग्लू से चिपक जाती है और आपका स्पीकर साफ हो जाता है।

टूथब्रश की मदद ले सकते हैं

इसके लिए जेंटल ब्रिसल्स वाले टूथब्रश का इस्तेमाल करें। स्पीकर ग्रिल्स को किसी भी घिसे-पिटे लेकिन साफ ब्रश से साफ किया जा सकता है। अपने फोन के ब्रश को ऊपर या नीचे ले जाएँ। अपने फोन के स्पीकर को नुकसान से बचाने के लिए इस चरण के दौरान सावधानी बरतना याद रखें। स्पीकर को अंदर से कैसे साफ किया जा सकता है? यदि आपके सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, स्पीकर अभी भी कार्य नहीं कर रहा है, तो आपके फोन को अंदर से साफ करने की आवश्यकता है। इसके लिए आपको एक क्लीनिंग किट की जरूरत पड़ेगी, जिसे आप ऑनलाइन खरीद सकते हैं। लेकिन ऐसा करते समय सावधानी बरतें। यदि आपको कोई संदेह है, तो इस चरण को करने से बचें क्योंकि यह आपके फोन के अन्य घटकों को भी प्रभावित कर सकता है।

ट्रेवलिंग का बनाया है प्लॉन तो इन बैग्स का करें चयन

ट्रेवलिंग करना हम सभी को अच्छा लगता है। लेकिन ट्रेवलिंग के लिए सबसे जरूरी होता है एक सही बैग का चयन करना। एक ऐसा बैग जो ना केवल आपके सामान को कैरी करने में आपकी मदद करे, बल्कि उसके साथ ट्रेवलिंग करना आपके लिए आसान हो। चूंकि, आजकल मार्केट में कई तरह के ट्रेवलिंग बैग मिलते हैं तो ऐसे में किसका चयन किया जाए, इसके बारे में तय करना पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हालांकि, आपके लिए कौन सा बैग सबसे अच्छा रहेगा, इसके लिए पहले आपको सभी बैग की खासियत व खामियों के बारे में पता होना चाहिए। इतना ही नहीं, आप कहां जा रहे हैं, इस पर ध्यान देना भी उतना ही अहम् है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको अलग-अलग तरह के ट्रेवलिंग बैग्स के बारे में बता रहे हैं-

बैकपैक

बैकपैक की गिनती एक बेहतरीन ट्रेवलिंग बैग में गिना जाता है। वे काफी ड्यूरेबल होते हैं और ले जाने में आसान होते हैं। इन्हें आप अपने कंधों पर आसानी से कैरी कर सकते हैं। लेकिन अगर आपका बैग बहुत भारी है तो ऐसे में इन्हें अपने कंधों पर उठाना कठिन हो सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि आपके बैकपैक की कंधे की पट्टियां गद्देदार हो। इससे आपके कंधों पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता है।

व्हील्ड बैकपैक

व्हील्ड बैकपैक एक ऐसा बैकपैक है, जिसमें व्हील होते हैं। व्हील्ड बैकपैक तब बेहद अच्छा काम करता है, जब आप लंबे समय तक चलते हैं। ऐसे में आपको लंबे समय तक बैग को कंधे पर उठाना नहीं पड़ता। इसलिए, हैवी सामान के लिए इस बैकपैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप ऐसी किसी जगह पर जा रहे हैं, जहां पर व्हील को आसानी से मूव किया जा सकता है तो आप इस बैकपैक का चयन करें।

डफेल बैग

डफेल बैग ट्यूबलर शेप्ड बैग होते हैं, जिनमें पोर्टेबिलिटी के लिए मजबूत जिपर और स्ट्रैप होते हैं। इनमें लार्ज मिडिल कंपार्टमेंट होते हैं और इसलिए ट्रेवल बैग्स के लिए अच्छा माना जाता है। अधिकांश डफेल बैग की ऊंचाई 30 से 36 इंच के बीच होती है। कुछ डफेल बैग में अलग-अलग कपार्टमेंट्स होते हैं। साथ ही, कुछ जेबें भी होती हैं, जिसके कारण उसमें अतिरिक्त सामान को फिट किया जा सकता है।

ट्रेवल टोट बैग

ट्रेवल टोट आपके एसेंशियल के लिए काफी अच्छा होता है। ट्रेवल टोट बैग अक्सर ओवर-साइज्ड होते हैं और इसलिए इसमें आप वॉलेट से लेकर सनस्क्रीन और स्नैक्स आदि रख सकते हैं। हालांकि, इनके साथ एक समस्या यह है कि इसमें इंटरनल आर्गेनाइजेशन की कमी होती है। शॉर्ट ट्रिप्स से लेकर डे ट्रिप के लिए ट्रेवल टोट बैग सबसे अच्छे माने जाते हैं।

भगवान के निकट आना है तो संबधो की डोरी ठाकुर जी के साथ जोड़नी पड़ेगी:किशोरी वैष्णवी गर्ग

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। सकल असाटी समाज दमोह द्वारा असाटी वार्ड-1 संस्कार भवन में चल रही कथा के चतुर्थ दिवस में किशोरी वैष्णवी गर्ग ने बताया कि हम आप सभी को सदा उसका साथ देना चाहिए।जो हमारी सनातन धर्म को आगे ले जा रहा है, उसकी ध्वजा को आगे ले जा रहा है तथा सनातन धर्म के अनुयायियों को एक कर रहा है।सदा हम आप सभी को उसका साथ देना चाहिए और अगर कोई हमारे साधु-संतों का हमारे ग्रंथों का हमारे देवी देवताओं का विरोध करता है।तो हमें आगे आकर अपने साधु-संतों का अपने ग्रंथों का अपने भगवान का विरोध नहीं सुनना चाहिए तथा वैष्णवी गर्ग ने यह भी बताया कि आज भी इस समय में भी सिद्धियां होती हैं। क्योंकि जिस तरह से अंधकार है रोशनी भी है जिस तरह से इस धरती पर पाप है। तो पुण्य भी है जिस तरह से भगवान हैं तो भूत प्रेत भी हैं तो उनको दूर करने के लिए अनेकों अनेक दुखों को दूर करने के लिए सिद्धियां भी इस धरा धाम पर मौजूद हैं।श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ के चौथे दिवस श्रद्धालु कृष्ण रंग में रंगे नजर आए।कृष्ण जन्मोत्सव आनन्द और धूम-धाम से मनाया गया कृष्ण झाकियों ने सभी का मन मोह लिया.प्रसंग के दौरान श्रद्धालु नंदलाला प्रकट भये आज, बृज में लडुआ बंटे नन्द के घर आनन्द भयो, जय कन्हैया लाल आना आना रे आना नंदलाल आज हमारे आंगन में जैसे भजनों पर झूमते रहे, नन्द और यशोदा के लाला की जय के उद्घोष कथा पांडाल में गूंजते रहे।जन्मोत्सव के उपरांत

विधिवत कृष्ण पूजन के बाद मिठाई का वितरण किया गया।

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला-आराध्य प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव के साथ कथा के दूसरे पड़ाव का शुभारम्भ हुआ।भगवान श्री राम के जन्म और उनके जीवन चरित्र का बखान करते हुए कथावाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग ने कहा कि भगवान राम का जीवन चरित्र हमें सिखाता है कि मित्रों के साथ मित्र जैसा, माता-पिता के साथ पुत्र जैसा, सीता जी के साथ पति जैसा, भाइयों के साथ भाई जैसा, सेवकों के साथ स्वामी जैसा, गुरू के साथ शिष्य जैसा व्यवहार कैसे किया जाता है। जो भगवान राम के जीवन चरित्र को अपने जीवन में चरितार्थ करेगा उसके सभी कष्ट दूर हो जाएंगे। राम राज्य में मनुष्य के अतिरिक्त जीव-जंतु में परपस्पर प्रेम और सद्भाव से रहते थे, इस दौरान राम-जानकी विवाह का प्रसंग भी सुनाया गया।

ठाकुर जी से जोड़ो संबधों की डोरी-भक्त और भगवान के सबंधो को बताते हुए कथावाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग ने बताया कि हम जीवन भर किसी न किसी संबधों की डोरी से बंधे हुए रहते हैं, लेकिन यदि भगवान से निकट आना है तो संबधो की डोरी ठाकुर जी के साथ जोड़नी पड़ेगी, उनसे कोई रिश्ता जोड़ लो।जहां जीवन में कमी है, वहीं ठाकुर जी को बैठा दो वे जरूर उस संबंध को निभाएंगे।असाटी समाज दमोह ने कथा श्रवण करने की अपील की है मुख्य यजमान श्रीमती राधारानी डालचंद असाटी जबलपुर नाका, श्रीमती मुन्नी खेमचंद्र असाटी जबलपुर नाका गुंजी वाले रिटायर्ड शिक्षक, कुसुम विष्णु प्रसाद असाटी शोभा नगर, आशा स्वर्गीय नाथूराम नायक असाटी वार्ड 1, श्रीमती सरोज रमेश सुंदरलाल असाटी वार्ड 1, मधु स्वर्गीय मदन असाटी असाटी वार्ड नंबर 1, विद्या स्व. श्री राम प्रसाद असाटी असाटी वार्ड 1, सुनीता स्वर्गीय श्री पंचम लाल इंदिरा कॉलोनी, ममता रामेश्वर असाटी इमलाई, सुमन स्वर्गीय मदनलाल असाटी इमलाई, श्रीमती प्रभा स्वर्गीय माधव प्रसाद असाटी है।

शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का हुआ आयोजन

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय ऋह्लस्थ ह्स्र स्नस्स्न स्नह्लह्रस् ढ्ढह स्न्नष्ठश्वह्र स्नुस्नश्व था। यह अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी. पी. चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। इस वेबीनार में डॉ. टी.आर. थापक कुलपति महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं डॉ. जी. एस. रोहित अतिरिक्त संचालक सागर के द्वारा आशीष वचन प्रदान किए गए। अंतराष्ट्रीय वेबीनार की नोट स्पीकर डॉ. अरुणा पल्टा वाइस चांसलर कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ एवं मुख्य वक्ता डॉ. रेनू बाला शर्मा प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान शासकीय स्वशासी कन्या उत्कृष्ट महाविद्यालय सागर, विशिष्ट अतिथि सुधांशु सागर ऑडिट असिस्टेंट मैनेजर बी.डी.ओ. एल.एल.पी. लंदन एवं आनंदिता पॉल एडमिन एक्सक्यूटिव सिडनी एन.एस.डब्ल्यू. ऑस्ट्रेलिया ने अपने विचार प्रस्तुत किए। अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार की संयोजक सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान डॉ. आराधना श्रीवास के द्वारा वेबीनार का विजन एवं आभार प्रदर्शित किया गया। ऑनलाइन मंच का संचालन प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष अंग्रेजी डॉ. मालती नायक के द्वारा किया गया।आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. पी. एल. जैन प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष भौतिकी द्वारा सभी वक्ताओं को धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार को सफल बनाने में समन्वयक डॉ. मुदिता प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. मालती नायक, समन्वयक प्रीति वर्मा, सुरेखा बडोले, सलाहकार समिति सदस्य डॉ. रेखा जैन, डॉ. डी.के नेमा, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अवधेश जैन, नयनतारा, दीपक कुमार सैनी, कार्यक्रम सहायक सदस्य भारती चौरसिया, बृजेश मौर्य, जया अहिरवार, तकनीकी सहायक सदस्य सौरभ खरे, हरीश दुबे एवं विकास लखेरा का सहयोग रहा। अंतराष्ट्रीय वेबीनार को यूट्यूब एवं फेसबुक पर लाइव दिखाया गया । जिसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता रही।

जबेरा विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कार्यकर्ताओं और बुजुर्गो को किया सम्मानित

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजलि टुडे

दमोह।जबेरा जनपद की ग्राम पंचायत घटेरा के जटेरा धाम में गक्कड़ भर्ता कार्यक्रम का आयोजन गुड्डा जैन जी के द्वारा किया गया। इस दौरान जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी जी का गक्कड़ भर्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं बुजुर्गों का सॉल एंव गमछा देकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि आप लोगों को सम्मानित करने का मुझे यह सोभाग्य प्राप्त हुआ है और बुजुर्ग की भूमिका हमेशा परिवार और समाज में एक महत्वपूर्ण रुप से बुजुर्गों का योगदान रहता है और उनके मार्गदर्शन से हमेशा ही अनुभव प्राप्त होता है और गलत रास्तों से लोगों को सही रास्ता दिखाने का काम वास्तव में बुजुर्ग करते हैं। सम्मान समारोह के दौरान विधायक ने शासन की योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए निर्देशित किया एवं सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष शीतल राय, आशीष जैन युवा मंडल अध्यक्ष रिंकू जैन, शरमन रैकवार, राजू शर्मा ,मिठाई लाल आदिवासी,पदम सिंह, हरदुआ सरपंच ,प्रेमसिंह आदिवासी,रघुराज यादव,अनिकेत दुबे,सोनू लोधी, अभिषेक खरे, गगन नामदेव प्रसन्न जैन, अमजद खान, सोनू ठाकुर सहित भारी संख्या में लोग मौजद रहे।

कोतवाली पुलिस को मिली सफलता

सीसीटीवी कैमरों कि मदद से पुलिस पहुंची चोरों तक,शादी समारोह में शामिल हुये परिवार के सूने घर से चुरा ले गए थे लाखों का माल

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। बीते तीन दिन पूर्व शहर के मध्य स्थित मकान में हुई चोरी कि घटना का पर्दाफाश कोतवाली पुलिस ने नगद एवं आभूषण को चोरों सहित बरामद किया है । घटना शहर के नया बाजार 2 निवासी भाजपा से पार्षद प्रत्याशी रहे सचिन लकी पिता संजय गांगरा के घर में अज्ञात चोरों के द्वारा सोने चाँदी के आभूषण एवं नगदी रुपये चुरा लिए गए थे।उक्त चोरी के संबंध में पुलिस अधीक्षक दमोह,अति. पुलिस अधीक्षक,नगर पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी कोतवाली के मार्गदर्शन में चोरो की धरपकड़ कर चोरी गये सोने चांदी के आभूषण एवं नगदी को पक?ने के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया जिसमें पुलिस टीम ने सीसीटीवी की फुटेज एवं सायबर सेल की मदद से 3 संदेहियों को पकडकर चोरी के संबंध में पूछताछ कि गयी जिनके द्वारा चोरी कि घटना को स्वीकार किया गया एवं उनके पास से चोरी हुये सामान में सोने चाँदी के आभूषण

एवं नगदी प्राप्त किये गये।इस चोरी कि घटना में सराहनीय कार्य करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी ।चोरी कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों में रामकुमार पिता मुकेश रजक उम्र 20 निवासी श्रीवास्तव कालोनी दमोह, धर्मेन्द्र पिता गुरारी पटेल उम्र 20 साल निवासी गुंजी थाना हिण्डोरिया, सोनू उर्फ खेतसींग पिता गनेश सींग लोधी उम्र 19 साल निवासी बडयाऊ थाना नोहटा को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में लिया एवं जब्त किये माल में लगभग 01 लाख रूपये के सोने-चाँदी के आभूषण एवं 150000 रूपये नगद चोरों के पास से पुलिस को बरामद हुये है।इस घटना में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों में थाना प्रभारी कोतवाली विजय राजपूत,सउनि गोविंद सिंह, सउनि उषा, प्र. आर. राकेश आठ्या सायबर सेल , प्र. आर अनिल गौतम आरक्षक नवीन,आरक्षक नरेन्द्र,आरक्षक योगेन्द्र, आरक्षक ओमप्रकाश, का विशेष योगदान रहा।

ग्राम इमलिया में आयोजित 2023 क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुये कैबिनेट मंत्री

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह।ग्राम इमलिया में आयोजित 2023 क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक एंड कॉरपोरेशन के अध्यक्ष राहुल सिंह ने कार्यक्रम पहुंचकर खिला?ियों का उत्साहवर्धन किया। मैच के बाद विजेता एवं उप विजेता टीमों को मेडल पुरुष्कार वितरण कर खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उन्हें अच्छा प्रदर्शन कि बात मंच के माध्यम से खिला?ियों को दी। इसके साथ ही अध्यक्ष राहुल सिंह ने दमोह जनपद 2023 क्रिकेट कप प्रारंभ होने की विस्तार से जानकारी सभी को दी। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह , किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष तेजी सिंह, अजय सिंह सरपंच , जुगराज सिंह पूर्व सरपंच, हनमत सिंह पूर्व सरपंच, चरन सिंह, मुन्ना सिंह, सोनू सिंह के अलावा समस्त ग्राम वासियों की विशेष उपस्थिति रही।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह।स्थानीय धगट चौराहा स्थित राधाकृष्ण मंदिर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभाग एवं जिला के पदाधिकारी मौजूद रहे।ज्ञात हो कि 20 से 22 जनवरी तक छिंदवाड़ा में प्रांत बैठक का आयोजन किया गया था उसमें आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा बनाई गई थी एवं विभिन्न विभागों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया था। इसी तारतम्य में आज दमोह जिला में भी यह बैठक आहूत की गई। बैठक की शुरुआत प्रांत पदाधिकारी धर्म यात्रा महासंघ रमेश श्रीवास एवं ललित पारधी द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। प्रांतीय पदाधिकारियों ने उपस्थित जिला पदाधिकारियों के कार्यों का मूल्यांकन करते हुए सभी को आगामी कार्य की रूपरेखा बनाने हेतु मार्गदर्शन दिया। संगठन शक्ति पर जोर देते हुए प्रांतीय पदाधिकारी ललित पारधी ने अंतिम गांव तक समिति बनाने का आह्वान किया। वही रमेश जी श्रीवास ने योजनाबद्ध तरीके से संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन दिया। पदाधिकारियों के अलावा समरसता विभाग सह प्रमुख श्री राम जी पटेल विश्व हिंदू

परिषद जिला अध्यक्ष विकास मिश्रा,कोषाध्यक्ष रतले जी, जिला मंत्री अमित राय मंचासीन रहे। प्रांत पदाधिकारी रमेश श्रीवास धर्म यात्रा महासंघ और ललित पारधी भाई साहब श्रीराम पटेल , बलवान ठाकुर, जिला अध्यक्ष विकास मिश्रा, जिला मंत्री अमित राय, विभाग संयोजक पवन रजक, अंजू खत्री, रवि ठाकुर, ठाकुर जी महाराज, जिला संयोजक शम्भू विश्वकर्मा, नीरज असाटी, सह संयोजक विक्रम साहू, रजित जैन, सुधीर पांडे गोलू चौबे, राजू नामदेव, नितिन कुरेडिया, अजय मिश्रा, शारदा पटेल अनुराग यादव, राम मिश्रा, मनीष अग्रवाल, भूपेंद्र सोनी, कैलाश विश्वकर्मा, सुरेंद्र राठौर, भूपेंद्र सोनी, तेजी ठाकुर, गनपत अहिरवार, डालचंद पटेल, अजय चौरसिया,नितिन शर्मा, राजेश पटेरिया, भगवत पटेल,जितेंद्र चक्रवर्ती, सौरव यादव, जितेंद्र राठौर, आशीष पांडे, बबलू राय, श्याम लाल सेन, प्रमोद सिंह ,दुर्गा वाहिनी से प्रीति बर्मन, सानू हजारी, दुर्गा ठाकुर, दुर्गा विश्वकर्मा, सोना जैन की उपस्थिति रही।

विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष विकास मिश्रा ने सभी का आभार माना एवं कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री अमित राय द्वारा किया गया।

क्यूँ न शुरुआत खुद से करें

इंसान की मानसिकता बड़ी कम्माल होती है, कभी अपने भीतर झांकने की तस्दी तक नहीं लेते। खुद के भीतर असंख्य कमियों का दरिया भले बहता हो पर सामने वाले की सोच में, समाज की हर रिवायतों में और पूरी दुनिया की हर एक चीज़ में बदलाव की उम्मीद जरूर रखते है। कभी अपने दोषों का अवलोकन करना उचित नहीं समझते, रिश्तेदारों और दोस्तों की हर गतिविधियों की समीक्षा करने निकल पड़ते है। कमी और खूबी हर इंसान की प्रकृति का हिस्सा है, हर चीज़ के दो पहलू होते है सही और गलत। पर इंसान की फ़ितरत है सही का मुआयना करने कभी नहीं बैठेंगे, हल्की सी गलती को पहाड़ का रुप देकर पेश करने में माहिर होते है। एक बेटी का बाप सालों से अपनी बेटी की शादी के लिए पसीना बहाते पाई-पाई जोड़ रहा होता है। बेटी की शादी के वक्त कितना डरा हुआ होता है कि कहीं कोई कमी न रह जाए। लोग आते है दो तीन दिन ऐशो आराम से खाते है, पीते है, मौज करते है और आखि़र में सौ नुक्श निकालने के बाद ही चैन पाते है। चार अच्छी चीज़ों की तारीफ़ में मुँह कभी नहीं खुलेगा। ये क्या लगा दिया? इससे तो बेहतर हमारी चिंकी की शादी का डेकोरेशन शानदार था। मटर पनीर में पनीर थोड़ा कम था, खाने के बाद पान होते तो अच्छा रहता लो कर दी ना बेइज्जती पसीने की कमाई की। अरे भै अपने बच्चों की शादियों को धूमधाम से करने में एक इंसान की बरसों की मेहनत की कमाई लगी हुई होती है। हर कोई अपनी हैसियत के मुताबिक अच्छा करने की कोशिश करता है तो किसीसे किसीकी तुलना ही गैरवाजिब है। सबकी हैसियत, सबकी पसंद एक सी नहीं होती। और अगर ऐसे लोगों को खुद की कमियाँ किसीने बता दी तो दिमाग का पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है; अपने आप को सर्वगुण संपन्न समझते सामने दस बातें सुनाकर रिश्ता तक ख़त्म कर लेते है। ऐसे लोगों की चार दिनों की ख़ातिरदारी में पैसे बर्बाद करने से बेहतर है बेटी के नाम से बैंक में बचत खाता खुलवा लें। कम से

कम पैसों के लिए बेटी को किसीका मोहताज नहीं रहना पड़ेगा। शादियों में दावत जैसी पैसों की बर्बादी करने वाली परंपरा को तिलांजली दे देनी चाहिए। दो परिवारों के लोगों की हाज़री में शादी संपन्न करवा कर फ़िज़ूल खर्चों पर रोक लगानी चाहिए। आखि़र क्यूँ हमें खुद की कमियों का इल्म तक नहीं होता, क्यूँ बदलाव हंमेशा सामने वालों के व्यवहार में ही चाहते है? दुनिया की किसी भी चीज़ में परिवर्तन या बदलाव चाहते है तो शुरुआत खुद के स्वभाव से क्यूँ नहीं करते? अगर खुद का नज़रिया, खुद के विचार और खुद की प्रकृति में सुधार लाएंगे तभी संभव है दुनिया की हर शै में छुपी अच्छाई दिखें। अच्छा देखने, अच्छाई ढूँढने और अच्छाई को समझने के लिए एक सुंदर मन और सालस स्वभाव चाहिए। अगर हमारे भीतर ही स्वच्छता भरी होगी तब सबकुछ साफ़ दिखाई देगा। तो क्यूँ न एक कोशिश करें, जो बदलाव हम समाज में चाहते है उसकी शुरुआत खुद से ही करें। पहले खुद बदले बाद में किसीकी कमियां ढूँढें। जो कि अपनी कमियां स्वीकार करना इंसान ज़ात के लिए बहुत मुश्किल है पर नामुमकिन भी नहीं।

हालत गंभीर मरीज की नही मिल रहा था ब्लड ,मसीहा बन कर पहुचे सोहिल खान किया ब्लड डोनेट

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी जिला अस्पताल मैं मरी? ऋषिका पाराशर भर्ती थी जिनकी हालत गंभीर थी जिनको बी निगेटिव ब्लड की अत्यंत आवश्यकता थी लेकिन ब्लड बैंक मैं ब्लड नही था और अपने परिजनो का भी बी निगेटिव ब्लड नही था तब यूनिवर्सल हुमानराइट्स कॉउन्सिल के प्रदेश संगठन मंत्री सोहिल खान ने किया बी निगेटिव ब्लड डोनेट।मरी? ऋषिका पाराशर जिन्हें बी निगेटिव ब्लड की आवश्यकता थी पर घर में किसी का ब्लड मैच नही हो रहा था और यह रक्त ब्लड बैंक मैं भी उपलब्ध नही था जैसे ही यह खबर अद्ययक्ष योगेश जैन को हुई तो ग्रुप संचालक से सलाह कर महानआर्यमन ग्रुप के अस्पताल मंत्री शोएब पठान से संपर्क किया ,शोएब पठान ने तुरन्त अपने भाई सोहिल खान से बात कर जिला अस्पताल के ब्लड बैंक बुलाया और बी निगेटिव ब्लड डोनेट कर ऋषिका पाराशर की मदद की ।ऋषिका पाराशर के परिजनों ने सोहिल खान एवं महानआर्यमन ब्लड डोनेशन ग्रुप को धन्यवाद कहा।महानआर्यमन ग्रुप सोहिल खान को धन्यवाद करता है साथ ही शोएब पठान का भी धन्यवाद करता है जो खुद तो समय समय पर ब्लड डोनेट करते है और साथ ही में जरूरत प?ने पर अपने भाई सोहिल खान से ब्लड डोनेट कराया । यूनिवर्सल ह्यूमन राइट काउंसिल मध्य प्रदेश प्रदेश संगठन मंत्री सोहेल खान के मानव जीवन की रक्षा के लिए किए गए इस नेक काम के लिए यूनिवर्सल हुमन राइट्स काउंसिल प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश मोहम्मद दारा खान, उमर अफगानी, शैलेंद्र त्रिपाठी, वंदना शर्मा, तारिक सिद्दीकी ,इमरान खान , विनोद कुमार खटीक, प्रेम चौधरी, ऋषि गोस्वामी, शालू गोस्वामी, मनिका शर्मा, अरशद अली पत्रकार आदि ने उन्हें बहुत सारी शुभकामनाएं दी हैं।

कैंसर से जागरूक करने कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान 31 को चलायेगा महाअभियान

ग्वालियर। कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान ग्वालियर द्वारा कल मंगलवार 31 जनवरी को कैंसर से सतर्क रहने, उसकी जल्दी से जाच कराकर पता लगाने और उसका तत्काल उपचार कराने के लिए एक महा अभियान विभिन्न क्लबों, सामाजिक संगठन तथा एनजीओ के साथ चलायेगा। उक्त जानकारी आज पत्रकारों को देते हुये कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान ग्वालियर के संचालक डॉ. बीआर श्रीवास्तव , डॉ. गुंजन ने बताया कि कैंसर को लेकर लोगों में बहुत सारी भ्रांतियां बनी हुई हैं। कैंसर चिकित्सालय इन भ्रांतियों को दूर करने लोगों खासतौर से महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता लाने के लिए एक महाअभियान शुरू करेगा। इसमें स्कूली बालिकाओं सहित महिलाओं को कैंसर के लक्षण तथा उसका निदान , कैसे किया जाए की जानकारी दी जाएगी। डॉ. बीआर श्रीवास्तव ने बताया कि इस महाअभियान में ग्वालियर की महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि भारत देश में अब कैंसर रोगियों की संख्या तेजी से बढ रही है। आईसीएमआर के 2020 के आंकडों को देखा जाए तो देश की राजधानी में प्रति छह पुरूष मे से एक में कैंसर रोग पाया जा रहा है वहीं प्रति सात में से एक महिला को कैंसर रोग से पीडित पाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके कई कारण हो सकते हैं। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी ओपीडी में आने वाली महिला मरीजों में ब्रेस्ट कैंसर और सरविक्स कैंसर की शिकायतें मिलती है। इसका कारण उचित समय पर परीक्षण एवं जांच का कराया जाना नहीं हैं। उन्होंने बताया कि यदि समय पर उचित परीक्षण एवं जांच हो तो कैंसर बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसके लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। वहीं अब कैंसर चिकित्सालय द्वारा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों एनजीओस सहित सरकार के आशा और आंगनबाडी वर्करों के साथ एक वृहद अभियान चलायेगा। उन्होंने बताया कैंसर रोग खान पान और पर्यावरण के साथ ही अनुवांशिक भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि फास्ट फूड का सेवन, तंबाकू तथा बीडी सिगरेट से कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अवसर पर ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा मन की शांति तथा स्वयं को व्यवस्थित कैसे करें पर विचार गोष्ठी भी होगी। इस मौके पर एक खुला मंच भी होगा जिसमे विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिलाओं के प्रश्नों का समाधान किया जायेगा। पत्रकार वार्ता में डॉ. एसपी लोहिया, डॉ. जलज, डॉ. मोनिका, क्लब पदाधिकारी कविता सोनी, करूणा सक्सैना, श्री त्रिपाठी, राजपूत आदि मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने राष्ट्रपिता को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर । शहर कांग्रेस ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि पर फूलबाग स्थित गांधी उद्यान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर नमन किया। कांग्रेसजनों ने सर्वप्रथम राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर माल्यर्पण किया। तदाउपरांत कांग्रेस नेताओं ने गांधी जी का प्रिय भजन 'रघुपती राघव राजा राम-पतित पावन सीताराम' का गायन किया। श्रद्धांजलि देने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष डा. देवेन्द्र शर्मा, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल, अमर सिंह माहौर, चर्तुभुज धनोलिया, प्रदेश प्रवक्ता राम पांडे, अनुराधा सिंह एड, संभागीय प्रवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा, अवधेश कौरव, आनंद शर्मा, जेएच जाफरी, भैयालाल भटनागर, संजय सिंह राठौर, अशोक प्रेमी, सरमन सिंह राय, सुरेन्द्र यादव, रविन्द्र सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती मीनू परिहार, सुधीर मंडेलिया, रामनरेश परमार, इन्द्रजीत सिंह, मोनू सोलंकी, महेन्द्र शर्मा, सतीष मिश्रा, श्रीमती वीणा भारद्वाज, शंकर गाबरा, जसवंत शेजवार, अवनीश गौड, रमेश सिंह राजपूत, संजय फ?तरे, रविन्द्र सिंह भदौरिया, अनिल शर्मा बिट्टू, भूपेन्द्र तोमर, विष्णुकांत शर्मा, संजीव दीक्षित, मुनेश निगम, प्रताप राव महाडिक, पियूष जैन, पार्षद अंकित कटठल, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश खान आदि प्रमुख हैं।

अहिंसा से ही समाज में जागृति आएगी भाईचारा आएगाः प्रभूदयाल जौहरे

ग्वालियर। ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे के नेतृत्व में सोमवार को ग्राम भदरोली में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज के समय में बापू के सत्य अहिंसा के मार्ग को अपनाना चाहिए और भय नफरत की खाई मिटाना चाहिए। अहिंसा से ही समाज में जागृति आएगी, भाईचारा आएगा, आज जो भय का माहौल बनाया जा रहा है इसे रोकने के लिए सत्य अहिंसा का मार्ग अपनाना जरूरी है। हम सभी को बापू के जीवन को अपने आप में उतारना चाहिए। श्रद्धांजलि देने वालों में कुलदीप टैगोर, चरण सिंह लोधी, टेकराम कुशवाहा, राम कुशवाहा, विजय राम भैया, रविंद्र सिंह जाटव, प्रताप जाटव, राजेंद्र, निक्की जारे, कोक सिंह, पृथ्वीराज, सुरेंद्र, कुंजीलाल खरे, रामवरन कुशवाहा, गुड्डू, हरेंद्र भैया, शेखर, राम कुशवाहा, इंदर परिहार, आकाश सिंह सहित ग्रामीण क्षेत्र के अनेक नागरिक शामिल हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह पर मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व मेजर जनरल राधेश्याम शर्मा ने कहा कि खेलों का जीवन में बहुत महत्व है। खेल खेलने से हमारा दिन भर का तनाव समाप्त हो जाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा इस उत्सव में हार जीत की भावना को महत्व न देते हुए खेलों में पूर्ण उत्साह पूर्वक भाग ले। समारोह के प्रारंभ में अतिथियों ने खेल महोत्सव के ध्वज को फहराया तथा खिलाडियों ने आकर्षक मार्चपास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. डी. एच. रानडे ने की। विशिष्ट अतिथि के रुप में निदेषक शिक्षण एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. एस. पी. एस. तोमर ने विद्यार्थियों से सभी प्रतियोगिताओं में अपने सर्वोत्तम प्रदर्षन की बात कही। इस अवसर पर कुलसचिव एवं लेखानियंत्रक अनिल सक्सेना एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. एस. तोमर एवं स्पोटर्स आफीसर लेफ्टिनेंट डॉ. सत्यप्रकाष सिंह तोमर मंचासीन रहे। स्पोटर्स आफीसर ने जानकारी दी कि अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय ग्वालियर, सीहोर, इंदौर, खंडवा एवं उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर से आये लगभग 215 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम दिवस एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस एवं वॉलीबाल खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

कांग्रेस सद्भावना का शोर मचाओ बच्चे बचाओ अभियान शुरू

ग्वालियर। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 75वें शहीद दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोर मचाओ बच्चे बचाओ आन्दोलन कांग्रेस सदभावना प्रकोष्ठ अध्यक्ष विष्णु कान्त शर्मा के नेतृत्व में शुरू हो गया। जिसमे शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, विधायक डॉ सतीश सिकरवार सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन शामिल हुए। बच्चों को लेकर एक चैंकाने वाली एनसीआरबी की रिपोर्ट सामने आई है। जिसमे पिछले 5 साल में 340418 बच्चे चोरी हुए, जिसमें देश में सबसे ज्यादा म.प्र. से सन 2021 में 11607 बच्चे चोरी हुए म.प्र. बच्चे चोरी मामले में देश में बना नंबर वन यह बहुत ही शर्मनाक हैं। शोर मचाओ बच्चे बचाओ आन्दोलन में महाराज सिंह पटेल, घनश्याम सिंह राजपूत, रामदयाल तोमर, जन्देल सिंह, मन्नू तिवारी, संजीव दीक्षित, नरेश बिरथरे, अनूप मिश्रा, कमल खान, अशोक, अनिल कुमार, तरुण यादव, गौरव शर्मा, राम पांडे, अशोक कुमार राजपूत, मोहित कुमार अहिरवार, अनूप मीणा, गोलू कुशवाह, योगेन्द्र सिंह कुशवाह, आकाश सिंह, कमल शर्मा, नरेश सिंह, आशीष शर्मा, रापिल जैन, सरजू चंडाल, अभी आर्या, राशिद उस्मानी, रुपेश वर्मा, शुभम कौशल, निजाम, मंजर आलम, मनीष यादव, कमल शर्मा, डॉक्टर जावेद अहमद, योगेश शर्मा, धर्मेंद्र सिंह राणा, रवि सिंह, नितिन कुमार, हरेंद्र कुमार, दीपक प्रजापति, फारुख खान, शुभम सिंह सिकरवार, मुकेश शर्मा, राहुल अग्रवाल, कोमल राजे, सोहेल खान, गौरव लक्षका, राजीव वर्मा, राजा दीक्षित, पंकज पतरोल, विपिन वर्मा, सागर, दीपक कुमार, आकाश पाल आदि उपस्थित थे।

विद्यालय ही भविष्य निर्माताः अनिल दीक्षित

ग्वालियर । विद्यालय वह पवित्र व विश्वसनीय स्थान है जहाँ माता पिता अपने बच्चे को स्वतरू ही दाखिला दिलाने ले जाते है । वह विश्वास के साथ उम्मीद रखते है कि हमारे बेटे बेटियों का भविष्य संवरेगा । शिक्षक भी बच्चों को अपने अनुभव व ज्ञान से उनके लक्ष्य को साकार करने का भरपूर प्रयास ईमानदारी से करते है । उक्त उदगार आज गुढी पायगा स्थित हार्डवर्क टेक्निकल पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल के वार्षिक उत्सव के अवसर पर मध्यप्रदेश प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि विद्यालय में आकर बच्चा ज्ञान तो लेता ही है। साथ मे खेल कूद, नाच गाने, संस्कार, सीख कर अपने में छुपी प्रतिभा को उभारता है, जो उसे राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण भी उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में गुरुओं से विभिन्न प्रकार की शिक्षा ली थी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि व समाजसेवी विनोद कुमार अवस्थी ने छात्र देश के भविष्य है, उनके द्वारा विद्यालयों से ली गई शिक्षा जीवन मे लक्ष्य तक पहुँचने में सहायक होती है। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य श्रीमती स्मिता दुबे ने प्रतिवेदन पड़ा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नोसिन खान और आभार प्रदर्शन वरुण दुबे ने किया। इस मौके पर विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

आदर्श दाम्पत्य चित्रण के प्रतिनिधि महाकवि थे भवभूतिः प्रो. मनुलता शर्मा

ग्वालियर। अखिल भारतीय भवभूति समारोह का आयोजन जीवाजी विश्वविद्यालय,कालिदास संस्कृत अकादमी और महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का उद्घाटन आज जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलाधिसचिव प्रो.डी.एन.गोस्वामी की अध्यक्षता एवं पूर्व आचार्य संस्कृत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,वाराणसी की संस्कृत मनीषि प्रो. मनुलता शर्मा के सारस्वत आतिथ्य में किया गया।अतिथि परिचय संस्कृत अध्ययन मण्डल अध्यक्ष डॉ.मनीष खैमरिया द्वारा दिया गया। स्वागत भाषण अधिष्ठाता छात्र कल्याण जीवाजी विश्वविद्यालय प्रो.एस.के. द्विवेदी द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि प्रो.मनुलता शर्मा ने कहा कि प्रणीत उत्तररामचरितम् में भवभूति ने आदर्श दाम्पत्य स्नेह का वर्णन व श्रीराम को प्रजानुरंजक राजा के रूप में चित्रित किया है।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साहित्य कुमार नाहर ने अपने वक्तव्य में कहा कि संगीत साधना का मूलस्त्रोत संस्कृत साहित्य ही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलाधिसचिव प्रो.डी.एन.गोस्वामी ने कहा कि संस्कृत की भाषा कंप्यूटर के लिए काफी उपयोगी है।कार्यक्रम प्रस्तावक के रूप में डॉ. बालकृष्ण शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में अन्तर्विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के विजेताओं प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरित किए गय। कार्यक्रम के अन्तर्गत शोध संगोष्ठी में डॉ. नौनिहास गौतम सागर, लवलेश मिश्र दतिया, डॉ. बालकृष्ण शर्मा, डॉ. मनीष खैमरिया, डॉ. आशा रावत,डॉ.कृष्णा जैन, डॉ. नरोत्तम निर्मल, डॉ. अशोक विश्नोई एवं डॉ.बी. एल.जबलपुर, श्रीराम गोपाल तिवारी डबरा ने भवभूति के उत्तररामचरितम् पर आधारित अपने शोध प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ.कृष्णा जैन और आभार डॉ.एसके द्विवेदी ने व्यक्त किया।

सम्पत्ति कर शिविर में 395585 धनराशि हुई जमा

ग्वालियर । सदस्यगणों की सुविधा हेतु आज पुनः प्रातः 12 से सायं 5 बजे तक 'चेम्बर भवन' में नगर-निगम ग्वालियर के सहयोग से सभी 66 वार्डो का सम्पत्ति कर शिविर आयोजित किया गया । अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि आज के सम्पत्ति कर शिविर में 89 रसीद कटी और रु. 3,95,585 की धनराशि सम्पत्ति कर के रूप में जमा हुई । पदाधिकारियों ने नगर-निगम से मिले सहयोग के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है ।

एमपीसीसीआई ने 2023-24 हेतु प्रस्तावित बजट के लिए प्री-बजट ज्ञापन वित्त मंत्री को भेजा

ग्वालियर । एमपीसीसीआई द्वारा प्रदेश के वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा जी को वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु प्रस्तावित बजट में शामिल करने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर एक ज्ञापन प्रेषित किया गया है। अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल ने अवगत कराया है कि राज्य सरकार को प्रेषित किए गया ज्ञापन के बिन्दु निम्नानुसार हैः-

* **प्रोफेशनल टैक्स को समाप्त किया जाए-** जीएसटी लागू होने के पश्ड़चाड़ व्यवसाईयों को यह उम्मीद थी कि प्रोफेशनल टैक्स अब समाप्त हो जाएगा, परन्तु व्यवसाईयों पर जीएसटी सहित अन्य कई कर आज भी लागू हैं । व्यवसाई का विभिन्न करों की कार्यवाही में ही अधिकतम समय व्यतीत हो रहा है, जिसके कारण वह अपने कारोबार पर पूरी तरह से ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रहे हैं । अतः प्रोफेशनल टैक्स को समाप्त कर, प्रदेश के व्यवसाईयों को राहत प्रदान की जाए ।
* **आपदा-विपदा फण्ड का बजट में प्रावधान किया जाए-** प्रदेश में व्यवसाईयों एवं उद्योगपतियों के साथ होने वाली आपदाओं एवं विपदाओं को ध्यान में रखते हुए बजट में आपदा-विपदा फण्ड की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि ऐसे व्यवसाई अथवा उद्योगपति, जिनके साथ अक्समात कोई दुर्घटना घटित होती है और उसके कारण उनका कारोबार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाता है, ऐसी परिस्थितियों में राज्य सरकार द्वारा इस फण्ड से धनराशि उपलब्ध कराकर, पीड़ित व्यवसाई अथवा उद्योगपति की आर्थिक सहायता की जाए । उक्त फण्ड की धनराशि का मापदण्ड उस व्यवसाई की वार्षिक रिटर्न के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है । राज्य में इस प्रकार की व्यवस्था होने से निश्ड़चित ही व्यापार एवं उद्योग को प्रतिकूल परिस्थितियों में पुनर्स्थापित करने में काफी मदद मिलेगी और सरकार को भी कर के रूप में मिलने वाले राजस्व की प्राप्ति होगी । साथ ही, व्यापार-उद्योग एवं सरकार के मध्य एक फ्रेण्डली वातावरण निर्मित होगा ।
* **म. प्र. के बाहर से आने वाले दलहन पर मण्डी शुल्क में छूट प्रदान की जाए-** म. प्र. में दलहनों का उत्पादन काफी कम है । इसलिए प्रसंस्करण हेतु प्रदेश के बाहर से दलहन मंगाने पर लगने वाले मण्डी शुल्क की छूट प्रदान की जाए । इससे प्रदेश के दाल उद्योग समीपवर्ती राज्यों की दाल मिलों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे ।
* मण्डी शुल्क की दरों को कम किया जाए-

प्रदेश में मण्डी शुल्क की दर निकटवर्ती राज्यों जैसे, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक की तुलना में काफी अधिक है । इस कारण प्रदेश का दाल उद्योग इन राज्यों के मुकाबले लगातार पिछड़ता जा रहा है । वर्तमान में स्थिति इतनी प्रतिकूल हो गई है कि मध्यप्रदेश से कई दाल मिले अन्य राज्यों में शिफ्ट होने लगी हैं अथवा बंद होने के कगार पर हैं ।

* **कोल्ड स्टोरेज एवं वेयर हाउस को मण्डी लायसेंस से मुक्त रखा जाए-** कोल्ड स्टोरेज एवं वेयर हाउस को मण्डी लाइसेंस से मुक्त रखा जाए क्योंकि इनके द्वारा क्रय-विक्रय का कार्य नहीं किया जाता है । अतः इन्हें मण्डी लायसेंस की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाना चाहिए ।
* **प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर वेट की दर कम की जाए-** राज्य सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर 'वेट' की दर पड़ौसी राज्यों की अपेक्षा काफी अधिक होने से प्रदेश में विकास की गति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है क्योंकि इससे माल ढुलाई पर सीधा असर स्पष्ट रूप से देखने में आ रहा है । इसलिए यह आवश्ड़यक है कि राज्य में पेट्रोल-डीजल पर वैट की दर को पड़ौसी राज्यों के अनुकूल अथवा इससे कम किया जाए, ऐसा होने से विक्रय की मात्रा बढ़ेगी और अधिक विक्रय होने से टैक्स की अधिक वसूली होगी । पेट्रोल-डीजल पर वैट की दर कम होने से राज्य के आम नागरिकों सहित व्यवसाईयों एवं उद्योगपतियों को भी महँगाई की मार से राहत मिलेगी ।

सेल्स टेक्स और वैट में जमा एफडीआर की वापसी हेतु प्रावधान किया जाए- प्रदेश में जब सेल्स टैक्स की व्यवस्था थी, उसके उपरांत वेट टेक्स का प्रावधान लाया गया, दोनों ही रजिस्ट्रेशन में एफडीआर संयुक्त नाम से बनवाकर जमा कराई गई थी, लेकिन अब न तो विक्रय कर का प्रावधान है और न ही वेट टेक्स । वहीं वह पैसा बैंकों में ब्लॉक है । कारण एफडीआर संयुक्त नाम से है । अतः वह एफडीआर वापसी का प्रावधान किया जाना चाहिए ।

स्टॉम्प ड्यूटी कम की जाए- म. प्र. में संपत्ति के रजिस्ट्रेशन पर स्टॉम्प ड्यूटी पुरुष के नाम कराने पर 12.5त एवं महिला के नाम से कराने पर 10.5त की दर से लागू है । जबकि मध्यप्रदेश के पड़ौसी राज्य जैसे महाराष्ट्र में यह 4 से 5त तक ही लगता है । सम्पत्ति के पंजीयन पर अधिक शुल्क होने की वजह से यह देखने में आ रहा है कि लोग सम्पत्ति की खरीद-फरोख्त में पॉवर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट जैसे तरीके अपना रहे हैं, जिससे वाद-विवाद होते हैं । यदि प्रदेश में सम्पत्ति के रजिस्ट्रेशन के शुल्क की दर कम की जाती है, तो लोग सम्पत्ति के शीघ्रता से रजिस्टर्ड कराने के लिए प्रेरित होंगे और सरकार के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478